देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित
www.page3news.in
नगर संस्करण वर्ष 20 अंक: 343 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार–प्रवाह...
सरकार की चुप्पी पर सोनिया का सवाल

देहरादून, बुधवार, 11 मार्च 2026

पेज थ्री

मौसम — अधिकतम 29.0° न्यूनतम 18.0°

82924.41

2 युद्ध ईरान खत्म करेगा, अमेरिका नहीं

7 आपका सपना पूरा हुआः रिंकू सिंह

यूसीसी लागू करने का समय आ गया

मुस्लिम महिलाओं के हक पर सीजेआई सूर्यकांत के तीखे सवाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि अब 'समान नागरिक संहिता' लागू करने का समय आ गया है। शीर्ष अदालत ने 1937 के शरिया कानून के प्रावधानों को मुस्लिम महिलाओं के साथ भेदभावपूर्ण बताते हुए इसे निरस्त करने के अनुरोध वाली याचिका पर ये टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि ये एक बहुत अच्छा मामला है। सर्वोच्च कोर्ट ने कहा कि इस पर केवल विधायिका (सरकार) को ही विचार करना चाहिए। सभी धर्मों की महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए एक समान कानून की जरूरत महसूस की जा सकती है।

सीजेआई सूर्यकांत ने याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए अधिवक्ता प्रशांत भूषण से कहा कि सुधारों के प्रति हमारे अति–उत्साह में, हम उन्हें वंचित कर सकते हैं, और उन्हें पहले से मिल रहे अधिकारों से कम मिल सकता है। यदि 1937 का शरिया कानून खत्म हो जाता है, तो फिर क्या कहना? क्या इससे एक अनावश्यक शून्य उत्पन्न नहीं होगा? अदालत के सवालों का जवाब देते हुए प्रशांत भूषण ने की तर्क पेश किए। भूषण ने कहा कि यदि शरिया विरासत कानून रद्द होता है, तो उत्पन्न होने वाले खालीपन में भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम के प्रावधान लागू होंगे। अदालत यह घोषणा कर सकती है कि मुस्लिम महिलाएं पुरुषों के समान विरासत अधिकारों की हकदार हैं।

अदालत के हस्तक्षेप करने के अधिकार पर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का जिक्र किया जिसने तीन तलाक को असंवैधानिक घोषित किया था। उन्होंने तर्क दिया– शायरा बानो फैसले के बाद हम देश में ऐसी स्थिति नहीं रख सकते जहां मुस्लिम महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार न मिलें।

भूषण ने कहा कि विरासत का मामला एक नागरिक अधिकार है और इसे संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत अनिवार्य धार्मिक प्रथा कहकर संरक्षित नहीं किया जा सकता। मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट एक वैधानिक कानून है, और अदालत इसकी भेदभावपूर्ण बातों को रद्द कर सकती है।

आदेश में शीर्ष कोर्ट ने क्या कहा

सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि अगर न्यायालय शरिया उत्तराधिकार कानून को निरस्त करता है, तो इससे कानून में शून्य की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। ऐसा इसलिए क्योंकि मुस्लिम उत्तराधिकार को निर्देशित करने वाला कोई वैधानिक कानून नहीं है।

समान नागरिक संहिता और विधायी अधिकार

सुनवाई के दौरान यूनिफॉर्म सिविल कोड का मुद्दा भी सामने आया। जस्टिस बागची ने कहा कि क्या इस मामले को विधायिका की बुद्धिमत्ता पर नहीं छोड़ दिया जाना चाहिए, क्योंकि राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत समान नागरिक संहिता बनाना उनका काम है। इस पर सीजेआई ने भी सहमति जताते हुए कहा– इसका जवाब यूनिफॉर्म सिविल कोड है। जस्टिस बागची ने टिप्पणी की कि एक पुरुष के लिए एक पत्नी का नियम अभी सभी समुदायों पर समान रूप से लागू नहीं है। उन्होंने कहा– लेकिन क्या इसका मतलब यह है कि अदालत सभी बहुविवाहों को असंवैधानिक घोषित कर सकती है? इसलिए हमें नीति निर्देशक सिद्धांतों को प्रभावी बनाने के लिए विधायी शक्ति का सम्मान करना होगा।

अदालत का निर्देश

पीठ ने यह भी राय दी कि अगर खुद मुस्लिम महिलाएं शरिया एक्ट 1937 से बाहर निकलने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाएं, तो न्यायिक हस्तक्षेप अधिक उचित होगा। इस पर भूषण ने स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ताओं में कुछ मुस्लिम महिलाएं भी शामिल हैं। अंत में, अदालत ने भूषण को अपनी याचिका में संशोधन करने का सुझाव दिया। पीठ ने कहा कि याचिका में यह स्पष्ट रूप से जोड़ा जाना चाहिए कि यदि शरिया के विरासत प्रावधानों को रद्द किया जाता है, तो उस स्थिति में कानूनी उपाय क्या होंगे। प्रशांत भूषण द्वारा याचिका में संशोधन करने की बात स्वीकार करने के बाद, अदालत ने मामले की सुनवाई स्थगित कर दी।

संक्षिप्त समाचार

इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने दिया इस्तीफा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। देश की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो के शीर्ष नेतृत्व में एक बड़ा बदलाव हुआ है। इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने इस्तीफा दे दिया है। एयरलाइन का कहना है कि उन्हें तत्काल प्रभाव से पद से मुक्त कर दिया गया है। मंगलवार को विमानन कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एल्बर्स ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इस चुनौतीपूर्ण समय में कंपनी को स्थिरता प्रदान करने के लिए इंडिगो के मौजूदा प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया को यह अहम कमान सौंपी गई है।

सीमा पर फिर नापाक साजिश नाकाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नौशेरा। जम्मू–कश्मीर के राजोरी जिले के नौशेरा सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास घुसपैठ की एक कोशिश को सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया। एक पाकिस्तान समर्थित आतंकी मारा गया, जबकि दूसरे की तलाश जारी है। सेना ने पूरे सेक्टर में निगरानी बढ़ा दी है।

आज होगी ईरान के लिए कयामत और कहर की रात

यूएस रक्षा मंत्री की ईरान को धमकी, बोले–बरसेंगी सबसे ज्यादा मिसाइल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। ईरान पर हमले को लेकर अमेरिका के रुख में कोई नरमी आती नजर नहीं आ रही है। अमेरिका ने एक बार फिर से हमले को लेकर धमकी दी है। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहाकि मंगलवार की रात ईरान के लिए कयामत की रात होगी। यह बयान अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेठ ने दिया है। उन्होंने कहाकि यह अब तक का सबसे तेज हमला होगा। रिपोर्टरों से बात करते हुए, हेगसेठ ने कहाकि मंगलवार को ईरान के खिलाफ सबसे अधिक लड़ाकू विमान और बमवर्षक भेजे जाएंगे।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेठ ने ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई को भी सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहाकि मोजतबा वे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातों पर ध्यान दें और परमाणु हथियारों की राह छोड़ दें। हेगसेठ ने कहाकि ईरान के नए नेता के लिए यही बुद्धिमानी होगी कि वे हमारे राष्ट्रपति की बात मानें और सार्वजनिक रूप से यह घोषणा करें कि वे परमाणु हथियार विकसित नहीं करेंगे।

रक्षा मंत्री ने खुलासा किया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने रूसी प्रमुख व्लादिमीर पुतिन के साथ कड़ाई से बात की है। उन्होंने रूस को चेतावनी दी कि वह ईरान के साथ इस युद्ध में शामिल न हो। हेगसेठ ने उम्मीद जताई कि इस बातचीत से यूक्रेन युद्ध में शांति का अवसर बनेगा, लेकिन ईरान के मामले में रूस को दूर रहना चाहिए। अमेरिका ईरान के साथ युद्ध तब तक नहीं रोकेगा जब तक 'दुश्मन' की हार नहीं हो जाती। उन्होंने कहा कि ईरान के नेता अब हताश हैं और छटपटा रहे हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने ईरान पर आरोप लगाया कि वे जान–बूझकर स्कूलों और अस्पतालों से मिसाइलें दाग रहे हैं।

ईरान ने भी ट्रंप को दी धमकी

ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रमुख अली लारीजानी ने राष्ट्रपति ट्रंप को सीधी धमकी देते हुए कहाकि वे अपना ध्यान रखें ताकि कहीं उन्हें मिटा न दिया जाए। लारीजानी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरानी राष्ट्र आपकी खोखली धमकियों से नहीं डरता। आपसे बड़े लोग भी ईरान को नहीं मिटा सके। ईरान की तरफ से यह प्रतिक्रिया ट्रंप के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की आपूर्ति रोकी, तो अमेरिका ईरान पर 20 गुना ज्यादा ताकत से हमला करेगा।

जमाखोरी रोकने के लिए केंद्र सरकार हुई सख्त

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ईंधन आपूर्ति पर बढ़ते दबाव के बीच केंद्र सरकार ने मंगलवार को घरेलू ऊर्जा बाजार को सुरक्षित रखने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम (ईसी अधिनियम) लागू करते हुए रिफाइनरियों और पेट्रोकेमिकल इकाइयों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दिया है, ताकि देश में रसोई गैस की आपूर्ति निर्बाध बनी रहे।

पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, जारी नियंत्रण आदेश के तहत प्रमुख हाइड्रोकार्बन संसाधनों को एलपीजी पूल में डायवर्ट किया जाएगा। साथ ही प्राकृतिक गैस के वितरण के लिए नई प्राथमिकता सूची तय की गई है, ताकि मौजूदा आपूर्ति बाधाओं को प्रभावी तरीके से संभाला जा सके।

नई व्यवस्था के तहत घरेलू पाइप्ड गैस और वाहनों के लिए सीएनजी की आपूर्ति 100 प्रतिशत सुनिश्चित की गई है। वहीं चाय उद्योग, विनिर्माण इकाइयों और गैस ग्रिड से जुड़े औद्योगिक उपभोक्ताओं को पिछले छह महीनों के औसत उपभोग का 80 प्रतिशत गैस ही मिलेगी। उर्वरक संयंत्रों को भी औसत खपत का 70 प्रतिशत गैस आवंटित किया गया है।

इस पुनर्संतुलन के तहत रिफाइनरियों और पेट्रोकेमिकल संयंत्रों की प्राकृतिक गैस आपूर्ति में 35 प्रतिशत कटौती की गई है।

तैयारी

■प्राकृतिक गैस के वितरण के लिए नई प्राथमिकता सूची तय की

अफवाहों से बचने की अपील

सरकार ने कहा कि कुछ समय के लिए बाजार में चिंता की स्थिति बनी थी, लेकिन अब आपूर्ति पूरी तरह सामान्य हो चुकी है। लोगों से सोशल मीडिया पर फैल रही अपुष्ट खबरों पर विश्वास न करने की अपील की गई है, क्योंकि ऐसी अफवाहें अनावश्यक घबराहट पैदा कर सकती हैं।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

पहचान छिपाकर शादी की तो जेल

■लिव–इन रिलेशनशिप पर कड़ा रुख, सात साल की सजा

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में अब पहचान छिपाकर शादी करने वालों को जेल होगी। वहीं, लिव–इन के नियम भी कड़े हो गए हैं। प्रदेश में समान नागरिक संहिता, उत्तराखंड (संशोधन) अध्यादेश, 2026 लागू हो गया है।

यूसीसी को और अधिक प्रभावी और सख्त बनाने की दिशा में धामी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। राज्यपाल गुरमीत सिंह ने समान नागरिक संहिता संशोधन अध्यादेश को मंजूरी के साथ ही राज्य में विवाह, पंजीकरण और लिव–इन रिलेशनशिप से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव लागू हो गए हैं।

अब यदि विवाह का कोई भी पक्षकार अपनी पहचान के विषय में गलत जानकारी देता है तो इसे विवाह शून्य करने का आधार माना जाएगा। इसके साथ ही, अपनी पहचान या वैवाहिक स्थिति छिपाकर शादी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ अब भारतीय न्याय संहिता के तहत दंडनीय कार्रवाई की जाएगी। यदि कोई व्यक्ति बल, दबाव या धोखाधड़ी के माध्यम से लिव–इन संबंध स्थापित करता है तो उसे सात साल तक के कारावास और जुर्माने की सजा होगी।

Page Three

न्यूज डायरी

भारत और अफगानिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र में खोली पोल तो बौखलाए पाकिस्तानी दूत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयॉर्क। अफगानिस्तान के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बहस के दौरान पाकिस्तान और भारत में आरोप–प्रत्यारोप देखने को मिले हैं। यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने पाकिस्तान के अफगानिस्तान पर किए गए हवाई हमलों की कड़ी निंदा की है। अफगानिस्तान की ओर से भी पाकिस्तान को जमकर घेरा गया है। भारतीय प्रतिनिधि का सख्त बयान आया तो पाकिस्तान की ओर से जवाब देने की कोशिश गई। इससे सोमवार को सुरक्षा परिषद में तीनों पड़ोसी देशों के बीच तूतू–मैंमैं जैसी स्थिति बन गई। यूएन सिक्योरिटी काउंसिल में पाकिस्तान के हालिया दिनों में अफगानिस्तान पर किए गए हमलों को लेकर गहमागहमी हुई। भारत के प्रतिनिधि ने आतंक के मुद्दे पर पाकिस्तान को दोहरा रवैया रखने वाला देश बताते हुए घेरा है। इस पर इस्लामाबाद के प्रतिनिधि ने पाकिस्तानी आर्मी के अफगानिस्तान में एक्शन का बचाव किया। साथ ही भारत पर अफगानिस्तान में आतंकी गुटों को समर्थन का आरोप लगाया। पी. हरीश ने यूएन में पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए कहा कि अफगानिस्तान में हालिया हमलों में 185 निर्दोष नागरिक मारे गए हैं, जिसमें महिलाएं और बच्चों की बड़ी संख्या है। यह हवाई हमले अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और संप्रभुता का उल्लंघन हैं। अफगानिस्तान की जमीन पर हवाई हमलों की भारत कड़ी निंदा करता है। यूनाइटेड नेशंस में अफगानिस्तान के परमानेंट मिशन के अंतरिम चार्ज डीश्अफेयर्स के तौर पर काम करने वाले नसीर अहमद फैक ने भी अपने बयान में पकिस्तान को घेरा है। फैक नेपाकिस्तान के अफगानिस्तान में हमलों में आम लोगों के मारे जाने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि आम लोगों पर हमलों को रोका जाना चाहिए।

शहबाज शरीफ देश से माफी मांगें, पाकिस्तान में पीएम के खिलाफ उबाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले और अली खामेनेई की मौत पर दुनिया के बड़े हिस्से, खासतौर से मुस्लिम वर्ल्ड में गुस्सा देखा गया है। इससे उन मुस्लिम देशों की सरकारों के लिए असहज स्थिति पैदा हो रही है, जिनका अमेरिका से करीबी रिश्ता है। इसमें एक अहम नाम पाकिस्तान का है। पाकिस्तान में अमेरिका से करीबी रिश्ते और डोनाल्ड ट्रंप को शांति नोबेल के लिए नॉमिनेट करने के मुद्दे पर हंगामा बरपा है। पाकिस्तान के विपक्षी दल, सिविल सोसायटी और धार्मिक संगठन लगातार इस मुद्दे पर मुखर हैं। दूसरी ओर सरकार बोलने से बचती दिख रही है। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार और आर्मी चीफ असीम मुनीर ने बीते कुछ महीनों में लगातार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तारीफों के पुल बांधे हैं। बीते साल पाकिस्तान सरकार ने चापलूसी की हद पार करते हुए डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल पीस प्राइज के लिए नामित किया। यही नॉमिनेशन शहबाज शरीफ के गले की फांस बन रहा है। पाकिस्तान में लगातार उनसे इस कदम के लिए माफी की मांग हो रही है। ईरान युद्ध के मुद्दे पर पाकिस्तान के विपक्ष दल लगातार बात कर रहे हैं तो लोगों ने सड़कों पर उतरकर भी प्रदर्शन किए हैं। इसमें एक ओर अली खामेनेई की मौत और ईरान पर हमले के लिए अमेरिका के प्रति गुस्सा है तो वहीं शहबाज शरीफ पर भी लोगों की भड़ास निकल रही है।

तेल संकट में फंसे बांग्लादेश ने लगाई गुहार तो भारत ने भुलाई दुश्मनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ढाका। ईरान युद्ध का दक्षिण एशियाई देशों के साथ साथ पूरी दुनिया पर बहुत बुरा असर पड़ा है। पाकिस्तान और बांग्लादेश में हाहाकार मचा हुआ है। पाकिस्तान में स्कूलों को बंद कर दिया गया है। बिजली संकट से निपटने के लिए आपातकालीन उपाय किए गये हैं। बांग्लादेश, पाकिस्तान और श्रीलंका में फ्यूल और बिजली बचाने और नागरिकों पर पड़ने वाले असर को मैनेज करने के लिए कदम उठाने की घोषणा की गई है। ईरान युद्ध के दौरान बांग्लादेश में ऊर्जा संकट काफी विकराल हो चुका है। बांग्लादेशी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक देश ने इस संकट के दौरान भारत से तत्काल मदद मांगी। ढाका ने भारत की सरकारी कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड और असम की नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड से अगले चार महीनों में 50,000 टन डीजल की सप्लाई का अनुरोध किया था।

इजराइल के हाइफा में तेल रिफाइनरी और ईंधन टैंक पर हमला

रिपोर्ट

इजरायल और ईरान के बीच मध्य पूर्व में तनाव चरम पर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तेहरान। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। चाहे इजरायल–अमेरिका हो या फिर ईरान कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं है। दोनों एक–दूसरे पर लगातार मिसाइलें दाग रहे हैं। अमेरिका–इजरायल और ईरान के बच जारी तनाव ने मिडिल ईस्ट में संकट खड़ा कर दिया है। जंग में खाड़ी देशों पर भी मिसाइल और ड्रोन से हमले हो रहे हैं। ईरान ने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, इराक, कुवैत समेत कई देशों में मिसाइलों और ड्रोन से हमला करना जारी रखा है। ताजा हमले में सऊदी, कुवैत और यूएई को निशाना बनाया गया है।

ईरान ने कहा कि जब तक युद्ध जारी रहेगा, ईरानी सेना अमेरिका और इजराइल के सहयोगियों को इस क्षेत्र से तेल निर्यात नहीं करने देगी। ईरान की समाचार एजेंसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, अली मोहम्मद नैनी ने कहा कि ईरानी सशस्त्र बल. अगले आदेश तक इस क्षेत्र से अमेरिका–इजरायल और उसके सहयोगियों को एक लीटर भी तेल निर्यात नहीं करने देंगे। उन्होंने कहा कि कोई भी बदलाव संघर्ष की परिस्थितियों के आधार पर होगा। वहीं ईरानी सेना ने दावा किया है कि उसने हाइफा में एक इजरायली तेल और गैस रिफाइनरी और ईंधन टैंकों को निशाना बनाकर ड्रोन हमला किया।

ईरान उन खाड़ी देशों को लगातार निशाना बना रहा है, जहां पर अमेरिका के एयरबेस हैं। अमेरिका–इजरायल द्वारा ईरान पर किए हमले के बाद हिजबुल्लाह ने भी ईरान की ओर से मिसाइलें और ड्रोन से हमले करने शुरू कर दिए। हिजबुल्लाह ने एक के बाद एक इजरायल में कई धमाके किए। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में इजरायली सेना ने भी लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमले किए।

वहीं, ईरान ने यूएई में कई जगहों पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया है। यूएई में हुए हमले के बीच भारत में संयुक्त अरब अमीरात के पहले राजदूत हुसैन हसन मिर्जा अलसयेघ ने पीएम मोदी को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। यूएई के राजदूत ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के एक फोन कॉल से स्थिति शांत हो सकती है।

इराक के कुर्द क्षेत्र में स्थित संयुक्त अरब अमीरात के वाणिज्य दूतावास को ? मंगलवार तड़के ड्रोन हमले में निशाना बनाया गया, यह घटना खाड़ी देश द्वारा मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष में अन्यायपूर्ण रूप से निशाना बनाए जाने पर अपनी निराशा व्यक्त करने के कुछ ही घंटों बाद हुई। इराक के कुर्द क्षेत्र में स्थित संयुक्त अरब अमीरात के वाणिज्य दूतावास को हवाई हमले के दौरान संरचनात्मक क्षति पहुंची। आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

ईरान के खिलाफ जारी कार्रवाई को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, हमने कई मायनों में जीत हासिल कर ली है लेकिन अभी पर्याप्त जीत नहीं मिली है। हम पहले से कहीं अधिक दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

इजरायल का ईरान पर हमला

इजरायली सेना ने कहा कि उसकी वायुसेना ने दर्जनों ठिकानों पर हमला किया, जिनमें इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर से संबंधित ड्रोन मुख्यालय भी शामिल है। इजरायली सेना के अनुसार, पहले भी इस ठिकाने से इजरायल की ओर ड्रोन दागे गए थे और लॉन्च के लिए तैयार अतिरिक्त ड्रोन वहां रखे गए थे। इजरायली सेना द्वारा किए गए ताजा हमले में ईरान के कई ड्रोन भंडारण सुविधाओं और वायु रक्षा प्रणालियों को भी निशाना बनाया गया।

सैनिकों को ईरानी युद्धपोत डुबोने में मजा आ रहा: ट्रंप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। ईरान के जहाज आईआरआईएस डेना पर हिंद महासागर में हुए हमले को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा है कि उनके सैनिकों को ईरानी जहाजों को डुबोने में मजा आ रहा है। उन्होंने अपने अधिकारियों से हुई बातचीत का किस्सा सुनाते हुए कहा कि उन्हें ईरानी जहाजों को मारकर डुबोने में मजा आ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप का ये बयान बताता है कि अमेरिका अहंकार में कितना डूब चुका है कि सैनिकों को मौत के घाट उतारने के बाद देश के सैन्य अधिकारियों को मजा आ रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिकी सेना ने पिछले साढ़े तीन दिनों मेंईरानी नौसेना के 46 जहाजों को डुबो दियाहै। ट्रंप ने एक सैन्य अधिकारी के साथ हुई अपनी बातचीत का हवाला देते हुए बेशर्म बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि ईरानी जहाज आईआरआईएस डेना को डुबोने के बाद जब उन्होंने पूछा कि इन जहाजों को कब्जे में लेने के बजाय डुबोया क्यों गया? डोनाल्ड ट्रंप के मुताबिक अधिकारी ने कहा कि जहाजों को पकड़ने के बजाय डुबोने में ज्यादा मजा आता है और ऐसा करना ज्यादा सुरक्षित भी है। डोनाल्ड ट्रंप इस किस्से को सुनाते हुए बेशर्मों की तरह हंस रहे थे।

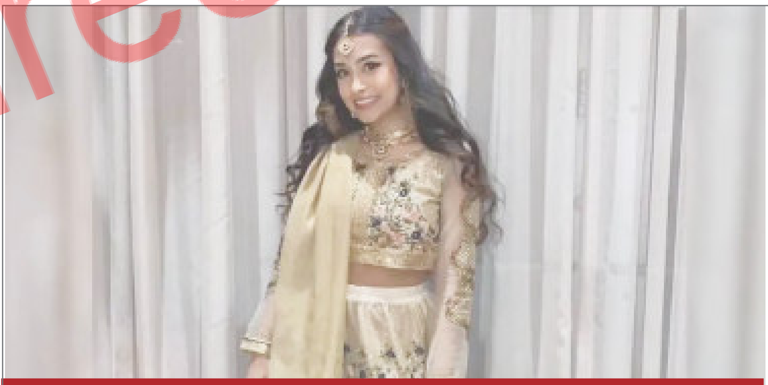

अमेरिका ने अपने ही नागरिक को हिरासत में लिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। शिकागो की रहने वाली भारतीय मूल की 28 वर्षीय अमेरिकी नागरिक सुंदास नकवी को डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने 43 घंटे तक हिरासत में रखा। सुंदास नकवी के वकील का मानना था कि उनकी यात्रा का इतिहास संदिग्ध था। सनी के फैमिली ने हिरासत में रखने वाले अधिकारियों पर फोन लोकेशन ट्रैक करने के बावजूद झूठ बोलने और उन्हें बिना किसी स्पष्ट आधार के अवैध तरीके से हिरासत में रखने का गंभीर आरोप लगाया। नकवी अब घर वापस आ गई हैं। दरअसल, अमेरिकी नागरिक सुंदास (सनी) नकवी पांच अन्य लोगों के साथ जर्मन सॉफ्टवेयर कंपनी में नौकरी के लिए भारत जा रहे थे। इस छह सदस्यीय समूह में सनी समेत तीन अमेरिकी नागरिक और तीन ग्रीन कार्ड धारक जिनके पास पाकिस्तानी पास्पोर्ट थे।

युद्ध ईरान खत्म करेगा, अमेरिका नहीं, अंत अब हम तय करेंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■ट्रंप के बयान पर आईआरजीसी का जवाब

तेहरान। डोनाल्ड ट्रंप के जल्दी ही युद्ध खत्म हो जाने की टिप्पणी पर ईरान ने जवाब दिया है। ईरान ने कहा है कि चीजें अमेरिका और इजरायल के हाथ से निकल गई हैं। डोनाल्ड ट्रंप को यह समझ लेना चाहिए कि युद्ध खत्म करने का फैसला अब वह नहीं बल्कि ईरान लेगा। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने इलाके के समीकरण और भविष्य की स्थिति अब पूरी तरह से तेहरान के हाथ में होने का दावा किया है।

आईआरजीसी की ओर से जारी बयान में कहा गया है, जंग का अंत हम तय करेंगे। इलाके के समीकरण और भविष्य की स्थिति अब हमारी सेना के हाथों में है। अमेरिकी सेना जंग खत्म नहीं करेगी। वह अब इस स्थिति में नहीं है। जंग खत्म करने का फैसला अब हमारी ओर से लिया जाएगा। अब चीजें पूरी तरह से हमारे पक्ष में हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देर रात कहा कि ईरान के खिलाफ युद्ध जल्दी ही खत्म हो सकता है। ट्रंप ने कहा, इस युद्ध में अमेरिका काफी आगे चल रहा है। ईरान की सैन्य ताकत को तकरीबन खत्म कर दिया गया है। मुझे लगता है कि युद्ध लगभग खत्म हो चुका है क्योंकि अब ईरान के पास कोई सेना नहीं है।

डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा कि हमारा ईरान में अभियान जल्द खत्म हो जाएगा लेकिन इस हफ्ते यह नहीं होगा। ईरान के पास जो कुछ था, सब खत्म हो चुका है। उसकी लीडरशिप और सेना के खत्म होने के बाद अब इसका अंत मेरे दिमाग में है। इस पर ईरान ने साफ किया है कि उसको कमजोर ना समझा जाए।

ईरान और अमेरिका के बीच कच्चे तेल की सप्लाई रोकने के मुद्दे पर भी तनातनी है। ईरान ने इजरायल और अमेरिका के हमले के जवाब में होर्मुज स्ट्रेट से तेल की सप्लाई रोक दी है। इस पर अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को 20 गुना ज्यादा ताकत से हमले करने की धमकी दी है। ईरान ने कहा है कि वह दबाव में नहीं आएगा।

इजरायली पीएम नेतन्याहू की खुली चेतावनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेल अवीव। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को कहा है कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने इसके अलावा कहा है कि इजरायल का सैन्य अभियान ईरान की हड्डियां तोड़ रहा है और इसकी मजहबी लीडरशिप को कमजोर कर रहा है। नेतन्याहू ने नेशनल हेल्थ कमांड सेंटर के दौरे के दौरान कहा कि हमारी ख्वाहिश ईरानी लोगों को जुल्म के बंधन से आजाद कराना है। लेकिन आखिर में यह उन पर निर्भर करता है। लेकिन इसमें कोई शक नहीं है कि अब तक की गई कार्रवाइयों से हम उनकी हड्डियां तोड़ रहे हैं और हम अभी खत्म नहीं हुए हैं। वे बस हमारे पास आकर युद्धविराम नहीं कह सकते और हम कह दें कि ठीक है।

Page Three

Page Three Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

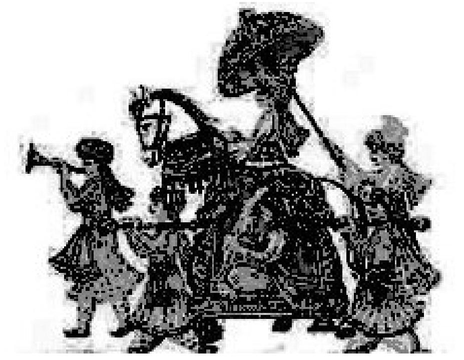

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

आगामी वर्षों में प्रथम स्थान प्राप्त करने को और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता

एसडीजी डेटा ईको एंड मॉनिटरिंग पीएम गतिशक्ति तथा उत्तराखण्ड विजन पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

कार्यशाला

संवाददाता

देहरादून। विकास भवन सभागार, सर्वे चौक, देहरादून में जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी कार्यालय द्वारा सतत् विकास लक्ष्य को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एसडीजी डेटा ईको एंड मॉनिटरिंग पीएम गतिशक्ति तथा उत्तराखण्ड विजन 2047 विषय पर जनपदस्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत कार्यशाला में समस्त जनपदस्तरीय अधिकारियों तथा समस्त खण्ड विकास अधिकारियों के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

कार्यशाला का शुभारम्भ जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, शशि कान्त गिरि द्वारा किया गया तदोपरान्त डॉ. मनोज पंत, निदेशक, सेतु आयोग, उत्तराखण्ड शासन के द्वारा सतत् विकास लक्ष्यों के 17 गोल्स के बारे में विस्तार से बताया गया। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि राष्ट्रीय स्तर पर सतत् विकास लक्ष्य रैंकिंग में 2023–24 के अनुसार उत्तराखण्ड राज्य ने केरल राज्य के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया है जो कि राज्य के लिए प्रशंसनीय है तथा राज्य को इसी स्थान पर बनाये रखना चुनौती होगी हमें इसे स्वीकार करना होगा जिसके लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।

उक्त कार्यशाला में सीपीपीजीजी, नियोजन विभाग, देहरादून से आये विशेषज्ञ शैलेन्द्र कुमार के द्वारा एसडीजी डेटा ईको एंड मॉनिटरिंग पर एसडीजी पॉटल के माध्यम से प्रकाश डालते हुए जनपद देहरादून ने राज्य स्तर पर वर्ष 2024–25 में सातवां स्थान प्राप्त किया है तथा आगामी वर्षों में प्रथम स्थान प्राप्त करने हेतु और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। इसके साथ ही उनके द्वारा स्वू िंदहपदह संकेतकों पर भी बताया गया कि मानक से कम प्रगति करने वाले विभागों को अपने कंज डमबींदपेउ में सुधार करने एवं विशेष रणनीतिक प्रयास के माध्यम से स्वू िंदहपदह संकेतकों में प्रगति करने के लिए अधिक प्रयास करने की आवश्यकता होगी।

इस कार्यशाला में पीएम गतिशक्ति परियोजना प्रबंधन इकाई के परियोजना प्रबंधक अक्षय जायसवाल ने पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान व इससे सम्बन्धित पोर्टल के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि इस पोर्टल के उपयोग से विभागों को योजनाओं के नियोजन व क्रियान्वयन में काफी सहायता मिलेगी। उनके द्वारा बताया गया कि उक्त पोर्टल में जीआईएस आधारित आंकड़ों व विभिन्न विभागों के डाटा की उपलब्धता के चलते नियोजन व अनुश्रवण की कारगर व्यवस्था बनाने में काफी मदद मिलेगी। विभागों को इसके अधिकाधिक उपयोग पर ध्यान देने के साथ ही विभागीय डाटा को अपडेट कराने में भी सहयोग करना होगा।

कार्यशाला में उत्तराखण्ड विजन 2047 विषय पर सुश्री कस्तूरी, विषय विशेषज्ञ द्वारा विजन 2047 की परिभाषा पर प्रकाश डालते हुए 05 लक्ष्यों के माध्यम से वर्ष 2047 तक राज्य को विकसित किये जाने हेतु विभिन्न संकेतकों पर विस्तार से बताया गया।

न्यूज डायरी

पूर्व उपनल कर्मियों को समान कार्य समान वेतन के लिए 289.98 करोड़ की व्यवस्था

संवाददाता देहरादून । उत्तराखंड सरकार ने वर्ष 2026–27 के बजट में पूर्व उपनल कर्मियों को समान कार्य के लिए समान वेतन उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बजट में इस मद के लिए 289 करोड़ 98 लाख 29 हजार रुपये की राशि का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार कर्मचारियों और श्रमिकों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि पूर्व उपनल कर्मियों ने विभिन्न विभागों में लंबे समय तक महत्वपूर्ण सेवाएं दी हैं और उनके हितों की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार ने समान कार्य के लिए समान वेतन की व्यवस्था को लागू करने हेतु बजट में पर्याप्त धनराशि सुनिश्चित की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय सरकार की समावेशी और संवेदनशील शासन व्यवस्था का प्रतीक है। सरकार लगातार कर्मचारियों के कल्याण, प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और प्रदेश में पारदर्शी व उत्तरदायी शासन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कानूनी जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

संवाददाता हरिद्वार। जिला जजध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरेंद्र दत्त ने मंगलवार को न्यायालय परिसर से विधिक जागरूकता मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सभी न्यायिक अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। रोशनाबाद स्थित न्यायिक परिसर में जिला न्यायाधीश नरेंद्र दत्त ने बताया कि यह वैन 10 और 11 मार्च को विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर विधिक साक्षरता व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेगी। अभियान से दूर–दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को निशुल्क कानूनी सहायता के प्रति जागरूक किया जाएगा। जिससे सुप्रीम कोर्ट के संचालित राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाएगा।

दुकानों के बोर्ड पर जीएसटी–मोबाइल नंबर अंकित करवाएं

संवाददाता हरिद्वार। प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष डा. विशाल गर्ग के नेतृत्व में व्यापारियों ने मंगलवार को अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती को ज्ञापन देकर कुंभ मेला क्षेत्र में संचालित दुकानों के बोर्ड पर जीएसटी एवं मोबाइल नंबर अंकित करने की मांग की है। डा. विशाल गर्ग ने कहा कि कुंभ मेला क्षेत्र में दुकानों के सामने एक समान बोर्ड लगाए जा रहे हैं और उन पर दुकानदारों और दुकानों के नाम अंकित किए जा रहे हैं। लेकिन बोर्ड पर जीएसटी और मोबाइल नंबर अंकित नहीं किए जा रहे हैं।

सीएम ने पूर्व विधायक राजेश जुवांठा के निधन पर जताया शोक

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को विधानसभा में पुरोला के पूर्व विधायक स्वर्गीय राजेश जुवांठा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके निधन को उत्तराखंड के राजनीतिक और सामाजिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि राजेश जुवांठा जी एक युवा, ऊर्जावान और जनसरोकारों के प्रति प्रतिबद्ध जनप्रतिनिधि थे, जिन्होंने अपने क्षेत्र की समस्याओं को सदन में पूरी मजबूती के साथ उठाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 7 जुलाई 1977 को जनपद उत्तरकाशी के पुरोला क्षेत्र में जन्मे राजेश जुवांठा को जनसेवा के संस्कार अपने परिवार से ही प्राप्त हुए थे। उनके पिता स्वर्गीय बर्फिया लाल जुवांठा जी उत्तर प्रदेश सरकार में पर्वतीय विकास मंत्री रहे, जबकि उनकी माताजी शांति जुवांठा जी विकासनगर नगर पालिका की दो बार अध्यक्ष रहीं। उन्होंने कहा कि राजेश जुवांठा जी ने इन संस्कारों को आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2002 से 2007 तक पुरोला क्षेत्र से क्षेत्र पंचायत सदस्य के रूप में कार्य किया और जमीनी स्तर पर विकास कार्यों को गति दी। इसी जनसंपर्क और सक्रियता के बल पर वर्ष 2007 में वे पुरोला विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक के रूप में उन्होंने क्षेत्र की समस्याओं और जनहित के मुद्दों को सदन में प्रभावी ढंग से उठाया। वर्ष 2007–08 में वे प्राक्कलन समिति के सदस्य रहे, जबकि वर्ष 2008 से 2010 तक अनुसूचित जाति, जनजाति एवं विमुक्त जाति संबंधी समिति में सदस्य के रूप में कार्य करते हुए वंचित वर्गों की आवाज को मजबूत करने का प्रयास किया।

सदन के बाहर कांग्रेसियों का बवाल, बैरिकेड पर चढ़े

संवाददाता देहरादून। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिवालीखाल में जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, करन महारा, ज्योति रोतेला सहित कई बड़े नेता शामिल हुए। जब कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड हटाकर आगे बढ़ने का प्रयास किया तो पुलिस ने पानी की बौछार कर उन्हें रोका। इस बीच घोड़ा खच्चर भी प्रदर्शन में घुस गए। सदन में चर्चा के बीच विधायकों ने हंगामा कर दिया। इस बीच विधानसभा अध्यक्ष उठकर चली गईं। कुछ देर कार्यवाही रुकने के बाद फिर दोबारा शुरू हुई।

स्वर्गीय दिवाकर भट्ट का संघर्षशील व्यक्तित्व उत्तराखंड की जनराजनीति की पहचान: सीएम

संवाददाता

■सीएम ने देवप्रयाग के पूर्व विधायक स्वर्गीय दिवाकर भट्ट को किया श्रद्धांजलि अर्पित

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को विधानसभा में देवप्रयाग के पूर्व विधायक स्वर्गीय दिवाकर भट्ट को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका संघर्षशील व्यक्तित्व और निर्भीक नेतृत्व उत्तराखंड की जनराजनीति की सशक्त पहचान रहा है। उन्होंने कहा कि साधारण परिवार में जन्म लेने के बावजूद दिवाकर भट्ट जी ने अपने विचारोंए संघर्ष और नेतृत्व से प्रदेश की राजनीति में विशिष्ट स्थान बनाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की राजनीति में उन्हें ''फील्ड मार्शल'' के नाम से जाना जाता थाए जो उनके दृढ़ और संघर्षशील नेतृत्व का परिचायक था। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय भट्ट जी का जीवन इस बात की प्रेरणा देता है कि राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहींए बल्कि सेवा और समर्पण का मार्ग भी है।

मुख्यमंत्री ने उनके जीवनवृत्त का उल्लेख करते हुए कहा कि टिहरी जनपद के बडियारगढ़ क्षेत्र के सुपार गांव में वर्ष 1946 में जन्मे दिवाकर भट्ट जी ने कम उम्र में ही जन आंदोलनों में सक्रिय भूमिका निभानी शुरू कर दी थी। मात्र 19 वर्ष की आयु से ही वे जनहित के मुद्दों को लेकर आंदोलनों में जुट गए थे। उत्तराखंड राज्य आंदोलन के कठिन दौर में उन्होंने अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर आंदोलन को नई ऊर्जा और दिशा दी। उन्होंने कहा कि वर्ष 1995 का श्रीयंत्र टापू आंदोलन और खैट पर्वत पर किया गया उनका अनशन राज्य आंदोलन के इतिहास में आज भी याद किया जाता है। ट्रेड यूनियन आंदोलन से अपनी पहचान बनाने वाले दिवाकर भट्ट ने बीएचईएल की नौकरी छोड़कर उत्तराखंड आंदोलन को मजबूत करने का निर्णय लिया और पहाड़ की आवाज को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय भट्ट ने ''घेरा डालो, डेरा डालो'' जैसे प्रभावी नारों के माध्यम से जनआंदोलन को नई धार दी। यह नारा केवल एक आह्वान नहीं बल्कि जनदबाव की प्रभावी रणनीति बन गया, जिसने युवाओं और आम लोगों को आंदोलन से जोड़ने का काम किया।

कुंभ से पहले होगा भीमगोडा कुंड का सौंदर्यीकरण

संवाददाता हरिद्वार। वर्ष 2027 में आयोजित होने वाले कुंभ मेले को दिव्य और भव्य बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसी क्रम में मेला प्रशासन कुंभ क्षेत्र के पौराणिक और ऐतिहासिक स्थलों के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण की कार्ययोजना पर काम कर रहा है। मेलाधिकारी सोनिका के निर्देश पर भीमगोडा कुंड के सौंदर्यीकरण की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। मंगलवार को अपर मेलाधिकारी दयानन्द सरस्वती ने तकनीकी विशेषज्ञों की टीम के साथ भीमगोडा कुंड का स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं और विकास कार्यों की रूपरेखा पर विचार विमर्श किया। निरीक्षण के दौरान कुंड में पौराणिक स्रोत से जल आपूर्ति की व्यवस्था, कुंड में एकत्रित जल की समुचित निकासी, संरचनात्मक सुधार तथा सौंदर्यीकरण से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

Page Three

दूसरों को सलाह देना और खुद उस पर अमल न करना, ये बात मुझे हमेशा से ही मन में असहज महसूस कराती रही है।
-अज्ञात।

विचार-प्रवाह देहरादून, बुधवार, 11 मार्च 2026

पेज थ्री
www.page3news.in

सरकार की चुप्पी पर सोनिया का सवाल

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की टारगेट किलिंग पर मोदी सरकार की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए हैं। भारत सरकार ने न तो इस हत्या पर कुछ कहा और न ही ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन की निंदा की है।

निशिकांत दुबे।।

जब किसी विदेशी नेता की लक्षित हत्या पर हमारा देश संप्रभुता या अंतरराष्ट्रीय कानून की स्पष्ट रक्षा नहीं करता और निष्पक्षता त्याग दी जाती है, तो यह हमारी विदेश नीति की दिशा और विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। मौन रहना तटस्थता नहीं है

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की टारगेट किलिंग पर मोदी सरकार की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने केंद्र पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उसका यह रुख भारत की विदेश नीति की दिशा और विश्वसनीयता पर गंभीर संदेह पैदा करता है। उन्होंने एक अंग्रेजी अखबार में अपने लेख में यह भी कहा कि आगामी 9 मार्च से जब संसद के बजट सत्र का जब दूसरा चरण शुरू होगा तो इस मामले में सरकार की इस चुप्पी पर स्पष्ट चर्चा होनी चाहिए। सोनिया गांधी के लेख पर कांग्रेस नेताओं ने रिएक्ट किया है। इसमें उन्होंने खामेनेई की हत्या का मुद्दा उठाते हुए कहा कि भारत सरकार ने न तो इस हत्या पर कुछ कहा और न ही ईरान की संप्रभुता के उल्लंघन की निंदा की है।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि अमेरिका–इजरायल के व्यापक हमले की अनदेखी करते हुए, प्रध ाानमंत्री ने केवल ईरान की ओर से संयुक्त अरब अमीरात पर किए गए प्रतिशोधी हमले की निंदा तक स्वयं को सीमित रखा और उससे पहले के घटनाक्रमों का उल्लेख नहीं किया। बाद में उन्होंने गहरी चिंता व्यक्त की और संवाद और कूटनीति की बात की, जबकि यही प्रक्रिया इजरायल और अमेरिका की ओर से किए गए व्यापक, अकारण हमलों से पहले जारी थी।

सोनिया गांधी ने कहा कि ईरानी नेता की हत्या बिना किसी औपचारिक युद्ध घोषणा के और चल रही राजनयिक प्रक्रिया के दौरान की गई। उन्होंने कहा, श्संयुक्त राष्ट्र चार्टर का अनुच्छेद 2 (4) किसी भी राष्ट्र की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बल के प्रयोग या धमकी को प्रतिबंधित करता है। किसी सेवारत राष्ट्राध्यक्ष की लक्षित हत्या इन सिद्धांतों पर सीधा प्रहार है।श उन्होंने तर्क दिया कि यदि ऐसे कृत्यों पर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र द्वारा सैद्धांतिक आपत्ति न जतायी जाए तो अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के क्षरण को सामान्य बनाना आसान हो जाता है।

सभ्यता

अशोक वोहरा। आप सुबह कुछ देर केवल यह देखने का अभ्यास करें कि कौन सोच रहा है। विचार आएंगे,जाएंगे, पर आप देखेंगे कि सोचने वाला और विचार एक नहीं हैं। धीरे–धीरे अनुभव होगा कि आप अपने मन के मालिक हैं, मन आपकी पहचान नहीं है। जब यह पहचान गहरी हो जाती है, तब जीवन के दुख सचमुच कमजोर पड़ जाते हैं। दुनिया वही रहती है, लोग वही रहते हैं, परिस्थितियां वही रहती हैं पर भीतर एक शांत प्रकाश जल उठता है, जो कहता है दृ मैं बदलने वाली चीजों में नहीं फंसूंगा, क्योंकि मैं वह हूं जो कभी नहीं बदलता। इतिहास के कुछ क्षण ऐसे होते हैं, जब कोई व्यक्ति नहीं, पूरी सभ्यता बोलती है।

...शेष कल

संपादकीय

संरचना में सुधार

विश्व स्तर पर स्पष्ट और व्याख्यात्मक लेबलिंग प्रणालियों को प्रभावी माना गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने यह रेखांकित किया है कि विशेषकर विकासशील देशों में सरल और चेतावनी–आधारित संकेत उपभोक्ता समझ को बढ़ाते हैं तथा आहार संबंधी व्यवहार में परिवर्तन लाने में सहायक होते हैं। यह केवल उपभोक्ता को ही नहीं, बल्कि उत्पाद निर्माताओं को भी अपने उत्पादों की संरचना में सुधार के लिए प्रेरित करता है। उद्योग जगत का एक वर्ग यह तर्क देता है कि कठोर लेबलिंग से बिक्री घट सकती है और छोटे उत्पादक प्रभावित हो सकते हैं। किंतु अनुभव यह दर्शाता है कि जब स्पष्ट मानक निर्धारित होते हैं, तो उद्योग नवाचार और पुनर्संरचना के माध्यम से स्वयं को अनुकूलित कर लेता है। यदि उपभोक्ता उच्च शर्करा या नमक वाले उत्पादों से बचने लगते हैं, तो उत्पादक स्वाभाविक रूप से उनके स्तर को कम करने का प्रयास करते हैं। इस प्रकार लेबलिंग स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती है। पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और निवारक स्वास्थ्य के सिद्धांतों पर आधारित यह व्यवस्था भारत को उपचार–केंद्रित दृष्टिकोण से हटाकर स्वास्थ्य–उन्मुख खाद्य प्रणाली की ओर अग्रसर कर सकती है। यदि इसे दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, वैज्ञानिक आधार और सामाजिक सहभागिता के साथ लागू किया जाए, तो यह एक स्वस्थ, सक्षम और जागरूक भारत की दिशा में निर्णायक कदम सिद्ध हो सकती है।

आकर्षक विज्ञापन, चमकदार पैकेजिंग और भ्रामक दावे उपभोक्ताओं को यह विश्वास दिलाते हैं कि ये उत्पाद सुरक्षित या स्वास्थ्यवर्धक हैं। परिणामस्वरूप उपभोक्ता वास्तविक पोषण मूल्य को समझे बिना निर्णय ले लेते हैं।

चमकदार पैकेजिंग और भ्रामक दावे

Page Three

डॉ. सत्यवान सौरभ।।

भारत का पोषण परिदृश्य तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। लंबे समय तक सार्वजनिक नीति का केंद्र भूख, कुपोषण और खाद्य उपलब्धता रहा, परंतु आज देश दोहरे पोषण संकट का सामना कर रहा है। एक ओर बच्चों और महिलाओं में अल्पपोषण, रक्ताल्पता और अवरुद्ध वृद्धि जैसी समस्याएँ बनी हुई हैं, तो दूसरी ओर मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी असंचारी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और मानवीय विकास से भी जुड़ी हुई है। इस परिवर्तन के पीछे खाद्य उपभोग की आदतों में आया बदलाव एक महत्त्वपूर्ण कारण है। पारंपरिक घरेलू भोजन की जगह अब डिब्बाबंद, पैकेटबंद और अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की खपत बढ़ी है। इन उत्पादों में प्राय: शर्करा, नमक और संतृप्त वसा की मात्रा अधिक होती है। आकर्षक विज्ञापन, चमकदार पैकेजिंग और भ्रामक दावे उपभोक्ताओं को यह विश्वास दिलाते हैं कि ये उत्पाद सुरक्षित या स्वास्थ्यवर्धक हैं। परिणामस्वरूप उपभोक्ता वास्तविक पोषण मूल्य को समझे बिना निर्णय ले लेते हैं।

ऐसे परिवेश में पैकेज के अग्रभाग पर स्पष्ट और सरल लेबलिंग की आवश्यकता उभरकर सामने आती है। पारंपरिक पोषण तालिकाएँ प्राय: पैकेट के पीछे छोटे अक्षरों में दी जाती हैं, जिन्हें समझना

सामान्य उपभोक्ता के लिए कठिन होता है। इसके विपरीत, पैकेज के सामने बड़े और स्पष्ट संकेतकृजैसे "उच्च शर्करा", "उच्च नमक" या "उच्च वसा" उपभोक्ता को तुरंत सचेत कर सकते हैं। यह व्यवस्था सूचना को जटिलता से निकालकर व्यवहारिक स्तर पर उपलब्ध कराती है।

सूचित विकल्प का अधिकार उपभोक्ता संरक्षण का मूल आधार है। किंतु भोजन के संदर्भ में यह अधिकार केवल बाजार संबंधी नहीं, बल्कि जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार से जुड़ा हुआ है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देता है, जिसकी न्यायिक व्याख्या में स्वास्थ्य का अधिकार भी सम्मिलित है। यदि नागरिक को यह जानकारी ही उपलब्ध न हो कि कोई खाद्य पदार्थ उसके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है या नहीं, तो जीवन के अधिकार की सार्थकता अधूरी रह जाती है। अतः स्पष्ट लेबलिंग स्वास्थ्य के संवैधानिक अधिकार को व्यावहारिक रूप देने का साधन बन सकती है।

बाजार व्यवस्था में उत्पादक और उपभोक्ता के बीच सूचना का असंतुलन एक सामान्य स्थिति है। उत्पादक को अपने उत्पाद की संरचना, अवयवों और संभावित प्रभावों की पूरी जानकारी होती है, जबकि उपभोक्ता सीमित जानकारी के आधार पर निर्णय लेता है। पैकेज के अग्रभाग पर लेबलिंग इस असंतुलन को कम करने का प्रयास करती है। जब जानकारी सरल, प्रत्यक्ष और चेतावनी के रूप में दी जाती है, तो उपभोक्ता अधिक सजग होकर चयन करता है। अंतरराष्ट्रीय अनुभव इस दृष्टिकोण की प्रभावशीलता को प्रमाणित करते हैं। उदाहरण के लिए, चिली में लागू स्पष्ट चेतावनी लेबलों के बाद उच्च शर्करा और उच्च वसा वाले उत्पादों की खपत में कमी देखी गई। इससे यह सिद्ध होता है कि यदि जानकारी सुलभ और स्पष्ट हो, तो उपभोक्ता व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। निवारक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह व्यवस्था अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। सरल लेबलिंग उपभोक्ता को दैनिक जीवन के छोटे निर्णयों में स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का अवसर देती है।

अंततः, पैकेज के अग्रभाग पर लेबलिंग बदलते पोषण परिदृश्य में सूचित विकल्प के अधिकार को सशक्त बनाने का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम है। यह उपभोक्ता को निष्क्रिय खरीदार से सक्रिय और जागरूक नागरिक में रूपांतरित करती है।

सूडोकू नवताल-5238

सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल -5237 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

अपना ब्लॉग

पारदर्शिता और उत्तरदायित्व

मोहन। भारतीय संदर्भ में खाद्य नियमन का दायित्व भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के पास है। साथ ही, भारत का सर्वोच्च न्यायालय ने भी जनस्वास्थ्य से जुड़े विषयों में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व पर बल दिया है। यह स्पष्ट संकेत है कि खाद्य लेबलिंग केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि व्यापक सार्वजनिक हित का विषय है। फिर भी इस व्यवस्था के क्रियान्वयन में कई चुनौतियाँ हैं। पहली चुनौती उद्योग का प्रतिरोध है, जो इसे आर्थिक दृष्टि से हानिकारक मानता है। दूसरी चुनौती लेबलिंग के स्वरूप को लेकर मतभेद हैकृक्या चेतावनी आधारित मॉडल अपनाया जाए या किसी प्रकार की श्रेणीकरण प्रणाली। तीसरी चुनौती प्रवर्तन और निगरानी की है, क्योंकि देश में लाखों खाद्य उत्पाद उपलब्ध हैं। चौथी चुनौती उपभोक्ता साक्षरता की है, विशेषकर ग्रामीण और निम्न आय वर्गों में, जहाँ पोषण संबंधी जागरूकता सीमित है। इन चुनौतियों का समाधान संतुलित और चरणबद्ध नीति के माध्यम से संभव है। व्यापक जन–जागरूकता अभियान, सरल प्रतीकों का प्रयोग और कठोर प्रवर्तन तंत्र इस दिशा में सहायक हो सकते हैं। विद्यालयों और सामुदायिक स्तर पर पोषण शिक्षा को सुदृढ़ करना भी आवश्यक है, ताकि लेबलिंग का संदेश प्रभावी ढंग से समझा जा सके।

अनुराग डोभाल एक्सीडेंट के बाद अस्पताल में कर रहे जीवन के लिए संघर्ष

रियलिटी शो शबिग बॉस 19श के कंटेस्टेंट अनुराग डोभाल दिल्ली–देहरादून हाईवे पर करीब 150 किमी प्रति घंटे की स्पीड से कार चला रहे थे। जिस कारण उनरी गाड़ी डिवाइडर से टकराई और वह क्षतिग्रस्त हो गई। बाबू भैया की जख्म हो गए, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिवारवालों को छोड़कर बाकी सभी उनसे मिलने पहुंचे। पत्नी रितिका, जिनके बारे में कहा था कि वह छोड़कर चली गईं, वह भी हालचाल लेने के लिए हॉस्पिटल गई थीं। और हेल्थ अपडेट भी दिया था। अब मैनेजर ने भी लेटेस्ट फोटो शेयर कर उनकी हालत बताई है। अनुराग डोभाल इस वक्त आईसीयू में एडमिट हैं। 9 मार्च को उनके ही इंस्टाग्राम हैंडल से इंस्टा स्टोरी पर एक फोटो पोस्ट की गई, जिसमें वह अस्पताल के बेड पर बेसुध पड़े हैं और मैनेजर उनका हाथ थामे हुए हैं। रोहित पांडे ने लिखा, अनुराग के लिए दुआ करिए, वह जिंदगी के लिए लड़ रहा है। इसके अलावा उन्होंने अपने हैंडल से एक पोस्ट किया, जिसमें हेटर्स को विक्रम सरकार का गाना नाम चले डेडिटेक किया और लिखा, श्नफरत करने वालों, बस ये गाना सुनो, मुझे याद रखोगे। इसके अलावा, रितिका चौहान ने भी एक पोस्ट किया था। उन्होंने पति की हालत बयां की थी। कहा था कि वह ठीक हो रहे हैं। घाव हैं, जो भरने में समय लगेंगे। साथ ही लोगों से अपील की थी कि उन्हें इस वक्त दुआ की जरूरत है। जनता किसी भी तरह की गलत जानकारी या फिर अफवाह न फैला। बता दें कि वह अपनी फैमिली के साथ यूट्यूबर को देखने पहुंची थीं और रोहित ने इसके बारे में बताया था। रजत दलाल ने तो उन्हें सुसाइड अटेम्प्ट करने के लिए फटकार लगाई थी। कहा था कि पिता बनने वाले हैं और उसकी खुशी मनाने के बजाय वह ऐसी बेवकूफी कर रहे हैं।

रणदीप हुड्डा ने लिन लैशराम संग करवाया बेहद प्यारा मैटरनिटी फोटोशूट

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा और उनकी पत्नी लिन लैशराम ने एक बेहद खूबसूरत और नया मैटरनिटी फोटोशूट करवाया है। दोनों ने इसकी 7 प्यारी तस्वीरें शेयर की हैं। ये तस्वीरें ऐसी हैं, जिन्हें देखते हुए पल भर के लिए निगाहें ठहर जाती हैं। जीवन के अगले पड़ाव के लिए यह कपल जहां उत्सुक है, वहीं फोटोशूट में दोनों के बीच की केमिस्ट्री प्यार में डूबी हुई भावुक सी है। बीते साल नवंबर 2025 में कपल ने प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था। जबकि इसी महीने मार्च 2026 में वह अपने पहले बच्चे के स्वागत की तैयारी कर रहे हैं। बच्चे के जन्म से ठीक पहले सामने आई इन तस्वीरों में प्यार और अपनापन है। फैंस दोनों के इंस्टाग्राम पोस्ट पर अभी से बधाई दे रहे हैं। 49 साल के रणदीप हुड्डा और 40 साल की लिन लैशराम इन तस्वीरों में हल्के और नेचुरल कलर कॉम्बिनेशन के साथ नजर आ रहे हैं।

एलनाज नोरौजी की ईरान के बर्बाद भविष्य पर चेतावनी

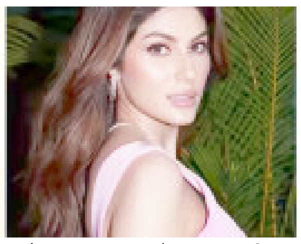

जब से ईरान पर अमेरिका और इजराइल ने हमला किया है, ईरानी–जर्मन मूल की बॉलीवुड एक्ट्रेस एलनाज नोरौजी लगातार सुर्खियों में हैं। सेक्रेड गेम्स सीरीज और फिल्म मस्ती 4 फेम एलनाज बढ़–चढ़कर इस मुद्दे पर अपनी बेबाक राय रख रही हैं। वह उन सेलेब्स में हैं, जिन्होंने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या का समर्थन किया। इसे ईरान की संस्कृति और खासकर महिलाओं की दशा के लिए बड़ी राहत तक कहा। लेकिन अब सुप्रीम लीडर की मौत के बाद भी ईरान जिस दिशा में बढ़ रहा है, एलनाज उससे काफी निराश हैं। 33 साल की एक्ट्रेस ने नए सुप्रीम लीडर के तौर पर मोजतबा खामेनेई का नाम सामने आने पर ईरान के लोगों को चेतावनी दी है। एक्ट्रेस का कहना है मोजतबा के हाथों में ईरान एक 'बर्बाद भविष्य की ओर बढ़ेगा। मोजतबा को सुप्रीम लीडर किसने बनाया?' एलनाज ने कहा है, जब मैं 6 साल की थी, तो हमें स्कूल में 'अमेरिका की मौत, इजराइल की मौत' के नारे लगाने पड़ते थे। ये वो चीजें हैं जो यह सरकार लोगों पर थोपती है। उस देश में लोगों के पास बहुत अधिकार नहीं हैं। इस सरकार का जाने का कोई प्लान नहीं है, यह अपने लोगों की नहीं सुनती, लोग वोट भी नहीं दे सकते। वहां के लोगों को यह कहने का हक नहीं है कि वे इसे नहीं चाहते, जब वे विरोध करते हैं तो उन्हें गोली मार दी जाती है, रेप किया जाता है, या जेल में डाल दिया जाता है।

मन्नारा चोपड़ा ने अनुराग डोभाल के मां–बाप पर उठाया सवाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बिग बॉस 17 के मशहूर कंटेस्टेंट और मोटो व्लॉगर अनुराग डोभाल, जिन्हें द यूके07 राइडर के नाम से जाना जाता है, इंस्टाग्राम लाइवस्ट्रीम के दौरान घटी एक परेशान करने वाली घटना के बाद सुर्खियों में हैं। उनकी सेहत और मानसिक स्थिति को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, एक्स बिग बॉस कंटेस्टेंट मन्नारा चोपड़ा ने उनका समर्थन किया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक भावुक वीडियो मैसेज शेयर किया है।

रोते हुए की विनती

वीडियो में, मन्नारा चोपड़ा रियलिटी शो के घर में बिताए समय के दौरान बने अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा, अपने इतने दिन गुजारे हो एक घर में तो आपका कुछ तो इंसानियत के नाते कनेक्शन बन जाता है। मैं रोती नहीं हूं क्योंकि मुझे लगता है कि रोने से कुछ नहीं होता पर मुझे नहीं पता कि मेरी जो पर्सनल फीलिंग्स हैं, जो मेरे साथ हुआ है दो साल में और अभी जो उसके साथ हो रहा है अब मिक्स हो रहा है। मुझे उम्मीद है कि उसके माता–पिता उसे सपोर्ट करेंगे।

अनुराग के सपोर्ट में उतरीं मन्नारा चोपड़ा

अपने बिग बॉस के दिनों को याद करते हुए और माता–पिता के लिए अनुराग के प्यार को बताते हुए, मन्नारा चोपड़ा ने आगे कहा, उसने अपने माता–पिता के लिए बहुत लड़ा था घर में कि मुझसे बात कराओ, मेरी बहन से बात कराओ, मेरी होने वाली पत्नी, उनका भी नाम लिया था उसने। पैसा क्या है? अगर आपके पास प्यार करने वाले ही नहीं रहते, तो आप उन पैसों का क्या करोगे, मैं बस उनके परिवार को बताना चाहती हूं। क्या करोगे आप उन पैसों का?

मन्नारा चोपड़ा के अनुराग के भाई को दिया मैसेज

बिग बॉस की एक्स कंटेस्टेंट मन्नारा चोपड़ा ने अनुराग के लिए एक मैसेज भी दिया। उन्होंने कहा, मैं बस यही बोलूंगी कि सबकी जिंदगी में भागदौड़ चल रही है और बाकी सब खुश हैं। सोशल मीडिया एक ऐसा मंच है जहां लोग बहुत खुश दिखने की कोशिश करते हैं।श मन्नारा चोपड़ा ने अनुराग को दुर्घटना में लगी चोटों के बारे में भी बताया। उनके अनुसार, यूट्यूबर को कई चोटें आई हैं। उसको फ्रेक्चर हुआ है। मुझे नहीं पता इतनी कम उम्र में ऐसा क्यों हुआ, वह 28–29 साल का होगा। मुझे बहुत बुरा लगा क्योंकि मैं भी दो साल तक इस दौर से गुजरी हूं। आप चलकर वॉशरूम भी नहीं जा पाते हो। ऐसी हालत हो जाती है।

अनुराग डोभाल ने मां-बाप, पत्नी और भाई को कहा जिम्मेदार

पिछले हफ्ते अनुराग ने मौत के जिम्मेदार टाइटल से एक यूट्यूब वीडियो अपलोड किया था, जिसके बाद ऑनलाइन चिंताएं बढ़ गई थीं। इस वीडियो में वह अपने पारिवारिक मुद्दों और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में बात करते हुए काफी भावुक नजर आ रहे थे। वीडियो में उन्होंने अपने माता–पिता, भाई कलाम और श्रेया को अपने कथित आत्महत्या की कोशिश के लिए जिम्मेदार ठहराया था।

भोजपुरी एक्ट्रेस नीलम गिरी ने अनुराग डोभाल को दी हिम्मत

भोजपुरी एक्ट्रेस नीलम गिरी, जिन्होंने पवन सिंह और खेसारी लाल यादव जैसे सुपरस्टार्स के साथ काम किया है, उन्होंने अस्पताल में जिंदगी के लिए लड़ाई कर रहे अनुराग डोभाल के लिए एक पोस्ट लिखा है।

नीलम गिरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने अनुराग डोभाल को हिम्मत रखने का हौसला दिया। अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा, श्मजबूत बने रहें और जल्दी ठीक हो जाओ। जिंदगी बहुत सुंदर है। भगवान जी आपके साथ हैं, अनुराग डोभाल।श्उनका ये सोशल मीडिया पोस्ट अब तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दे रहे हैं। नीलम गिरी का कहना है कि जीवन में मुश्किल समय जरूर आता है लेकिन ऐसे समय में इंसान को टूटने के बजाय मजबूत बने रहना चाहिए।

अनुराग डोभाल डिप्रेशन से जूझ रहे

दरअसल, अनुराग डोभाल को लेकर जो खबर सामने आई, उसने सोशल मीडिया पर बड़ी चर्चा छेड़ दी। बताया जाता है कि वह मानसिक रूप से काफी परेशान थे। इसी बीच उन्होंने इंस्टाग्राम पर लाइव आकर तेज रफ्तार से कार चलाते हुए अपनी जान लेने की कोशिश की। इस दौरान उन्होंने अपनी जिंदगी की परेशानियों और अकेलेपन के बारे में बात भी की।

अनुराग डोभाल का एक्सीडेंट

लाइव वीडियो के दौरान अचानक उनकी कार का नियंत्रण बिगड़ गया और वह सड़क के डिवाइडर से टकरा गए। इस हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों और लाइव देख रहे दर्शकों ने तुरंत मदद के लिए अलर्ट किया। इसके बाद अनुराग को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

अनुराग डोभाल को मिला सेलेब्स का समर्थन

घटना के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर कई लोगों ने चिंता जताई, वहीं कुछ लोगों ने इस मामले का मजाक भी उड़ाया। लेकिन इसके जवाब में कई टीवी और सोशल मीडिया सितारे खुलकर अनुराग के समर्थन में आ गए। मशहूर यूट्यूबर एल्विश यादव ने लोगों से संवेदनशीलता दिखाने की अपील की। वहीं, टीवी अभिनेता अली गोनी ने भी कहा कि किसी के कठिन समय का मजाक बनाना गलत है। इसके अलावा प्रिंस नरुला, अभिषेक कुमरा, और स्टैंड–अप कॉमेडियन व रैपर मुनव्वर फारुकी ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट करके अनुराग के लिए समर्थन जताया।

Page Three

30 के बाद महिलाओं के लिए वेट लॉस क्यों हो जाता है मुश्किल

30 साल की उम्र में एंटर करते ही महिलाओं के लिए वजन कम करना चुनौतीपूर्ण बनने लगता है। आमतौर पर सोचा जाता है कि ये सब खान-पान के कारण है। हालांकि, वास्तव में इसके पीछे की वजहों में हार्मोन, मेटाबॉलिज्म और लाइफस्टाइल से जुड़ी चीजें होती हैं। डॉ. धनंजय पांडे की मानें तो इन चीजों को समझना और डाइट एंड वर्कआउट से जुड़ी जरूरी चीजों पर ध्यान देना, महिलाओं के लिए चीजों को तुलनात्मक रूप से आसान बना सकता है।

हार्मोनल बदलाव

पहले आपका जो वेट जल्दी कम हो जाता था वो 30 के बाद नहीं हो रहा? इसकी सबसे बड़ी वजह हार्मोनल बदलाव है। दरअसल, इस ऐज ग्रुप में आने पर एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन के लेवल में काफी उतार–चढ़ाव आते हैं। खासतौर पर पीरियड्स के दौरान और बच्चा होने के बाद। इससे शरीर में फैट जमा होने के तरीके पर असर पड़ता है। यही वजह है कि 30 या उससे ऊपर के ऐज ग्रुप की महिलाओं के पेट पर ज्यादा चर्बी इकट्ठा होना शुरू हो जाती है। इतना ही नहीं बल्कि एस्ट्रोजन लेवल कम होने से शरीर के लिए इंसुलिन लेवल को संभालना भी मुश्किल हो जाता है। इससे ब्लड शुगर को कंट्रोल में रखने में परेशानी आती है और ये भी वेट एंड फैट बढ़ाने का काम करता है।

मसल मास में कमी

ज्यादातर महिलाएं इस बात से अनजान रहती हैं कि 30 के बाद उनका मसल मास पहले जैसा नहीं रहा। मसल, टिशू का वो प्रकार है जो शरीर की ऊर्जा का इस्तेमाल कर मेटाबॉलिक रेट बढ़ाने में मदद करता है। आमतौर पर रेस्टिंग पोजिशन में भी ये काम करता रहता है। 30 के बाद जब इसमें गिरावट आने लगती है, जिससे रेस्टिंग कैलोरी बर्न कम होने लगता है। यानी अगर किसी प्रकार का बॉडी मूवमेंट नहीं है तो कैलोरी भी बेहद कम बर्न होती है। इस स्थिति के साथ अगर क्रॉनिक स्ट्रेस, नींद में कमी और लंबे समय तक काम करना जैसी आदतें जुड़ जाएं, तो कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ने लगता है, जो वेट गेन को आसान बना देता है।

थायरॉइड और पीसीओएस

उम्र के इस पड़ाव पर थायरॉइड फंक्शन और पॉलीसिस्टिक ओवरी सिन्ड्रोम जैसी स्थितियों पर नजर बनाए रखना काफी ज्यादा अहम हो जाता है। थायरॉइड में छोटी–मोटी दिक्कतें भी शरीर की कैलोरी से बनने वाली ऊर्जा इस्तेमाल करने की क्षमता पर नकारात्मक असर डाल सकती है। इसके धीमा होने पर दिनभर थकान बनी रहती है और व्यायाम करना मुश्किल हो जाता है। ये फैक्टर्स वेट लॉस को धीमा कर वजन को बढ़ाने का काम करते हैं।

वेट लॉस इफेक्टिव बनाने के लिए करें ये व्यायाम

एक्सपर्ट होने के नाते मैं 30 या उससे ऊपर की महिलाओं को यही सलाह दूंगी कि सिर्फ कम खाने से कुछ नहीं होगा बल्कि वेट लॉस को लेकर पूरी अप्रोच बदलने पर ही ऐच्छिक नतीजे मिल सकेंगे। महिलाओं को सप्ताह में दो से तीन पर स्ट्रेंथ ट्रेनिंग पर ध्यान देना चाहिए ताकि उनकी मसल्स मजबूत बनी रह सकें। इसके साथ ही स्पीड वॉकिंग, स्विमिंग, साइकिलिंग जैसे लाइट कार्डियो वर्कआउट भी करते रहना चाहिए। हालांकि, इस बात का ध्यान रखें कि किसी भी तरह के व्यायाम की अति न करें। अगर लगातार इंटेंस वर्कआउट करते रहें और शरीर को आराम का मार्जिन न मिले तो ये स्ट्रेस को बढ़ा देता है जिससे शरीर में नुकसान पहुंचाने वाले हार्मोन्स बढ़ सकते हैं।

महिलाओं में सबसे ज्यादा पाए जाने वाले कैंसर, कारण, लक्षण और इलाज

ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं में सबसे आम प्रकार का कैंसर माना जाता है। इसमें स्तन की कोशिकाएं अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं। इससे ट्यूमर बन सकता है, जो कैंसर में तब्दील हो सकता है। हार्मोनल असंतुलन, परिवार में इस तरह के कैंसर की हिस्ट्री, ओबेसिटी, लेट प्रेग्नेंसी, ब्रेस्ट फीडिंग न कराना और शराब का ज्यादा सेवन जैसे कारण इस कैंसर का जोखिम बढ़ाते हैं। सर्वाइकल कैंसर गर्भाशय के मुंह यानी सर्विक्स में होता है। भारत में महिलाओं में होने वाला ये सबसे आम कैंसर है। ह्यूमन पैपिलोमा वायरस का संक्रमण इसका सबसे प्रमुख कारण है। कम उम्र में यौन संबंध, इस तरह के संबंधों के साथियों की अधिकता, और कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता इसके खतरे को बढ़ा सकते हैं। ओवेरियन कैंसर महिलाओं के अंडाशय में होने वाला कैंसर है। यह बीमारी अक्सर बढ़ती उम्र में ज्यादा देखी जाती है। इस कैंसर में ओवरी की कोशिकाएं अनियंत्रित तरीके से बढ़ने लगती हैं और समय के साथ पेट के अंदर दूसरे अंगों तक भी फैल सकती हैं। यूट्रस या गर्भाशय की अंदरूनी परत जिसे एंडोमेट्रियम कहा जाता है, उसमें कोशिकाएं जब असामान्य तरीके से बढ़ने लगती हैं और धीरे–धीरे ट्यूमर बन जाती हैं, तो वो एंडोमेट्रियल कैंसर का रूप ले लेती हैं। इसके अलावा समय–समय पर कैंसर स्क्रीनिंग करवाना भी बीमारी की शुरुआती पहचान में सहायक हो सकता है, जिससे केस को बिगड़ने से रोका जा सकता है। महिलाओं को रोज सेल्फ ब्रेस्ट एग्जाम करने की आदत डालनी चाहिए, इससे असामान्य बदलाव जल्दी पहचाने जा सकते हैं।

टी2 डायबिटीज में ही होता है शुगर कम होने का ज्यादा खतरा

लो ब्लड शुगर को हाइपोग्लाइसेमिया कहा जाता है, जो ब्लड ग्लूकोज लेवल के 70 एमजी/डीएल से नीचे जाने पर होता है। एक भारतीय एंडोक्राइनोलॉजिस्ट होने के नाते मैं अपने देश में टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस के मरीजों के अंदर यह मेडिकल कंडीशन ज्यादा देखता हूं। इसके लक्षण हाई ब्लड शुगर वाले संकेतों से अलग होते हैं, जैसे धड़कन तेज चलना, शरीर कांपना आदि। ब्लड शुगर कम होने पर दिमाग जैसे जरूरी अंगों व सेल्स को एनर्जी की कमी होने लगती है, जिससे खतरनाक परिणाम दिख सकते हैं। खासकर शुगर के मरीजों को स्वस्थ रहने के लिए हाइपोग्लाइसेमिया के लक्षण, उसके गंभीर परिणाम और उसे बचाव करने के तरीकों के बारे में पता होना जरूरी है। रिसर्च में देखा जा चुका है कि टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों में लो ब्लड शुगर होने का खतरा करीब 57.44 प्रतिशत होता है, खासकर ग्रामीण इलाकों के अंदर। इंसुलिन या ग्लूकोज कम करने वाली दवाएं ले रहे डायबिटिक पेशेंट्स को इसका खतरा ज्यादा होता है, लेकिन सुस्त जीवनशैली, बीमारी और कुछ खास दवाओं को ले रहे लोग भी इसकी चपेट में आ सकते हैं।

महिलाओं को किस उम्र में कौन सा हेल्थ चेकअप कराना चाहिए

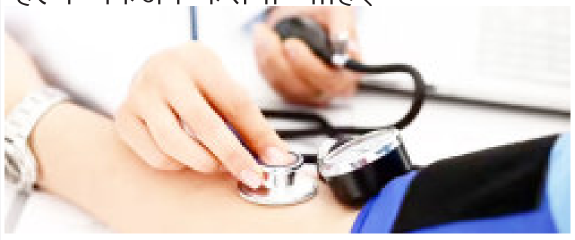

हार्मोनल बदलाव, लाइफस्टाइल में आए बदलाव और बीमारियों के बढ़ते जोखिम के कारण उम्र के साथ महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें बदल जाती हैं। नियमित हेल्थ चेकअप से समस्याओं का जल्दी पता लगाने में मदद मिलती है, जिससे उपचार आसान और अधिक प्रभावी हो जाता है। उम्र के अनुसार सही हेल्थ चेकअप से महिलाओं को लंबी उम्र तक स्वस्थ रहने और सेहत की जटिलताओं से बचने में मदद मिलती है। 20 की उम्र में महिलाएं कौन सा हेल्थ चेकअप कराएं? 20 की उम्र को आमतौर पर स्वस्थ माना जाता है, लेकिन इस दौरान सेहत से जुड़ी अच्छी आदतें अपनाना जरूरी है। इस उम्र में महिलाओं को ब्लड प्रेशर, वजन और बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) सहित वार्षिक हेल्थ चेकअप कराना चाहिए। हीमोग्लोबिन लेवल, थायरॉइड फंक्शन और ब्लड शुगर की जांच के लिए नियमित ब्लड टेस्ट भी करवाना चाहिए, खासकर यदि परिवार में डायबिटीज का इतिहास रहा हो। 30 की उम्र में आमतौर पर महिलाओं की लाइफस्टाइल संबंधी जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं, जिससे उनका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। महिलाओं को नियमित रूप से ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, ब्लड शुगर और थायराइड की जांच के लिए वार्षिक ब्लड टेस्ट जारी रखना चाहिए। पैप स्मीयर टेस्ट हर 3 साल में या डॉक्टर की सलाहानुसार दोहराया जाना चाहिए।

पीलिया में रिकवरी को तेज करते हैं गिलोय–भूमि आंवला

पीलिया से रिकवर करने के लिए आयुर्वेद में बढ़े हुए पित्त को संतुलित करने, लिवर फंक्शन सुधारने, टॉक्सिन की सफाई करने और डायजेशन मजबूत करने की सलाह दी गई है। इन कामों में कई सारी पारंपरिक जड़ी बूटियां काम आती हैं।

भूमि आंवला

भूमि आंवला को भूमि आमलकी और भुई आंवला भी कहा जाता है। आयुर्वेद में इसे लिवर हेल्थ के लिए फायदेमंद माना गया है। यह जड़ी बूटी पीलिया में अतिरिक्त पित्त को कम करने और मेटाबॉलिक टॉक्सिन बाहर निकालने में मदद करती है। यह हेल्दी बाइल फ्लो में भी मदद करती है और ब्लड चौनल में बैलेंस लाती है। इसे पारंपरिक रूप से चूर्ण या ताजे रस के रूप में छाछ के साथ मिलाकर लिया जाता है। यह कमला रोग के शुरुआती चरण में लिवर के मेटाबॉलिक फंक्शन को सुधारने में कारगर मानी जाती है।

कुटकी

कुटकी एक कड़वे स्वाद वाली हर्ब है। यह डायजेस्टिव फायर को बढ़ाकर शरीर से टॉक्सिन हटाने में मदद करती है। यह जड़ी बूटी इंफ्लामेशन को घटाने और बाइल के मेटाबॉलिज्म में मदद करती है। आयुर्वेदिक चिकित्सा में लिवर की रिकवरी और पित्त को बैलेंस करने के लिए कुटकी पाउडर की थोड़ी सी मात्रा को शहद के साथ लेने की सलाह दी जाती है।

पुनर्नवा

पुनर्नवा में रिजुवेनेटिंग और डिटॉक्सिफाइंग प्रोपर्टीज होती हैं। यह हर्ब तरल के जमाव को घटाने और यूरिनरी सिस्टम के द्वारा अतिरिक्त पित्त को बाहर निकालने का काम करती है। पुनर्नवा आपके लिवर फंक्शन को मजबूत करती है और मेटाबॉलिक चौनल में सर्कुलेशन को बेहतर बनाती है। पीलिया की एडवांस स्टेज में इसका काढ़ा बनाकर सेवन किया जाता है, जिससे सूजन और फ्लूइड रिटेंशन में कमी आती है।

गिलोय

गिलोय को गुडुची भी कहते हैं और इसे आयुर्वेद में इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने वाले सबसे असरदार उपायों में से एक माना जाता है। यह अतिरिक्त पित्त को शांत करने, लिवर की सेल्स की सुरक्षा करने और टॉक्सिन को मेटाबॉलाइज करने की शारीरिक क्षमता बढ़ाने वाली मानी जाती है। पीलिया के दौरान यह मरीज के इम्यून सिस्टम और डायजेशन को मजबूत बनाती है। जॉन्डिस की इंफ्लामेटरी स्टेज में इसके डंठल से बना गुनगुना काढ़ा पीने की सलाह दी जाती है।

आरोग्यवर्धिनी वटी

आरोग्यवर्धिनी वटी एक आयुर्वेदिक औषधि है, जो लिवर डिटॉक्सिफिकेशन और मेटाबॉलिक बैलेंस को सुधारती है। यह डायजेशन, लिवर एंजाइम एक्टिविटी और खून से विषैले पदार्थ निकालने में कारगर मानी जाती है। लेकिन इस औषधि को केवल आयुर्वेदिक डॉक्टर की निगरानी और सलाह के बाद ही लेना चाहिए।

कालमेघ

कालमेघ जड़ी बूटी का स्वाद कसैला होता है। यह डिटॉक्सिफाइंग प्रोपर्टी वाली एक ताकतवर हर्ब है। लिवर फंक्शन सुधारने और इंफेक्शन ठीक करने वाली शरीर की क्षमता के लिए यह बढ़िया आयुर्वेदिक उपाय है। यह लिवर को हेल्दी बनाने के साथ डायजेस्टिव मेटाबॉलिज्म रेगुलेट करने और लिवर टिश्यू से इंफ्लामेटरी स्ट्रेस घटाने में मदद करती है।

निंबादी कषाय

निंबादी कषाय एक हर्बल काढ़ा है, जिसको नीम और दूसरी कसैली जड़ी बूटियों को मिलाकर बनाया जाता है। यह पित्त को शांत करने और खून साफ करने का पारंपरिक उपाय है। इसके उपयोग से स्किन हेल्थ और मेटाबॉलिक बैलेंस को सुधारकर पीलिया को ठीक करने में मदद मिलती है।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

Page Three

रिंकू सिंह का ऐसा रहा टी20 वर्ल्डकप 2026 में प्रदर्शन

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में रिंकू सिंह ने भारत के लिए पहले 5 मैच खेले और अमेरिका, नामीबिया, पाकिस्तान, नीदरलैंड्स और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 6, 1, 11', 6' और 0 रन बनाए। उन्हें 26 फरवरी को चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर 8 के मैच के लिए भारत की प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया और उनकी जगह संजू सैमसन को मौका मिला। सैमसन ने चेपॉक में जिम्बाब्वे के खिलाफ 25 रन बनाए और फिर वेस्टइंडीज के खिलाफ 50 गेंदों में 97 रन, इंग्लैंड के खिलाफ 42 गेंदों में 89 रन और न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 46 गेंदों में 89 रन की शानदार पारियां खेलीं। संजू सैमसन ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए और कुल 321 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड भी अपने नाम किया।

आपका सपना पूरा हुआ, बहुत ज्यादा मिस करूंगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार रिंकू सिंह ने अपने पिता का सपना पूरा किया। हाल ही में भारत ने टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जीता और रिंकू उसी चैंपियन टीम का हिस्सा रहे, लेकिन टूर्नामेंट के दौरान रिंकू पर दुखों का पहाड़ टूटा। उनके पिता का लिवर कैंसर से निधन हो गया। रिंकू जिस गम में थे, उसका अंदाजा मैं या आप कोई नहीं लगा सकता है, लेकिन देश के प्रति जो उनका प्यार है, उन्होंने टूर्नामेंट खेलना जारी रखने के फैसले से ये दिखा दिया। अब रिंकू ने अपने दिवंगत पिता को याद करते हुए इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। दरअसल, रिंकू सिंह ने अपने पिता को लेकर इमोशनल इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, आपसे बात किए बिना इतने दिन कभी नहीं निकाले। मुझे नहीं पता आगे की जिंदगी आपके बिना कैसे चलेगी पर मुझे हर कदम पर आपकी जरूरत पड़ेगी। दिवंगत पिता को याद करते हुए उन्होंने आगे कहा, आपने सिखाया था कि फर्ज सबसे आगे है तो फील्ड पर बस आपका सपना पूरा करने की कोशिश कर रहा था। अब आपका सपना पूरा हो गया है तो बस यही लगता है कि काश आप मेरे पास होते। हर छोटी बड़ी खुशी में आपकी कमी खलेगी। बहुत मिस करूंगा आपको।

बीसीसीआई ने किया भारतीय टीम के लिए 131 करोड़ का ऐलान

लगातार दो विश्व कप जीतने का भारत को मिला फल

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने न केवल टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीता, बल्कि इस ट्रॉफी को डिफेंड करने वाली दुनिया की पहली टीम भी बन गई।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड को हराने के बाद, भारतीय टीम के लिए बीसीसीआई ने फिर से खजाना खोला है। टीम इंडिया के खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए बीसीसीआई ने 131 करोड़ रुपये की इनामी राशि का एलान किया। दरअसल, बीसीसीआई ने आधिकारिक जानकारी इनाम को लेकर दी। मीडिया रिलीज में बीसीसीआई ने कहा है कि बोर्ड आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप 2026 में टीम इंडिया के शानदार प्रदर्शन के बाद उसे 131 करोड़ रुपये का कैश रिवॉर्ड देने की घोषणा करता है।

अगर पिछले एडिशन से तुलना की जाए तो 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी

में जीत के बाद बीसीसीआई ने 125 करोड़ रुपये भारतीय टीम को दिए थे। यानी पिछले वर्ल्ड कप के मुकाबले बीसीसीआई ने इस बार इनाम में 6 करोड़ (4.8 प्रतिशत) अधिक बीसीसीआई ने दिए हैं।

सिर्फ बीसीसीआई ही नहीं, बल्कि इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने भी चौंपियन टीम पर जमकर पैसा बरसाया है। खिताब जीतने के लिए भारत को 3 मिलियन डॉलर (लगभग 27.48 करोड़) मिले। फाइनल जीतने के अलावा, ग्रुप स्टेज और सुपर–8 के हर मैच को जीतने के लिए टीम को अलग से बोनस मिला। हर मैच जीतने के लिए लगभग +31,154 (करीब ₹28.6 लाख) रुपये मिले। बता दें कि इस साल आईसीसी का कुल प्राइज पूल 13.5 मिलियन डॉलर था, जो पिछली बार से 20 प्रतिशत ज्यादा रहा।

बीसीसीआई की ओर से यह बड़ा इनाम टीम की निरंतरता और दबदबे को देखते हुए दिया गया है। भारतीय टीम ने जिस तरह से टूर्नामेंट में अपना खेल दिखाया और ये खिताब जीता, उसे देखकर बीसीसीआई ने ये बड़ा इनाम देने की परंपरा को जारी रखा। भारत दुनिया की पहली ऐसी टीम बनी है, जिसने लगातार दो बार (2024 और 2026) में टी20 विश्व कप अपने नाम किया। इस पर बीसीसीआई द्वारा रिलीज में अधिकारियों का मानना है कि घरेलू मैदान पर खिताब डिफेंड करना बहुत बड़ी उपलब्धि है, इसलिए खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए ये राशि बढ़ाई गई। टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने इस वर्ल्ड कप के दौरान काफी कमाल का प्रदर्शन किया।

बोर्ड इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और चयनकर्ताओं को एक बार फिर बधाई देता है और भविष्य में भी उनकी सफलता की कामना करता है।

सकलैन मुश्ताक के दामाद के लिए इस खिलाड़ी को बर्बाद करने की साजिश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट में आए दिन कुछ ना कुछ होता रहता है। पाकिस्तान में क्रिकेट के खेल से ज्यादा पॉलिटिक्स होती है। उनके पुराने और पूर्व खिलाड़ी अक्सर अपने ही देश के खिलाड़ियों की पोल खोलते रहते हैं। कभी फिक्सिंग तो कभी आपसी तकरार की खबरें सामने आती रहती हैं। इस बार भी कुछ वैसा ही हुआ है। पाकिस्तान के पूर्व ओपनिंग बल्लेबाज अहमद शहजाद ने अबरार अहमद को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है।

एक टीवी टॉक शो के दौरान शहजाद ने सीधे तौर पर इस्लामाबाद यूनाइटेड और कप्तान शादाब खान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अहमद शहजाद ने दावा किया कि इस्लामाबाद यूनाइटेड ने अबरार अहमद को टीम में शामिल तो किया लेकिन उन्हें जानबूझकर मैच खेलने का मौका

■अहमद शहजाद का अबरार अहमद पर बड़ा खुलासा

नहीं दिया गया। शहजाद के अनुसार यह सब एक सोची–समझी रणनीति का हिस्सा था।

अहमद शहजाद ने कहा, जब अबरार को इस्लामाबाद यूनाइटेड ने रखा था उस टाइम पे हमने बोल दिया था कि अबरार को इस्लामाबाद यूनाइटेड ने सिर्फ इसलिए रखा है कि इसको ले लें और इसको मैच न खिलाएं ताकि ये परफॉर्मेंस न दे और शादाब की जगह बनी रहे।

शहजाद ने आगे जोर देते हुए कहा, ये अकेला मैं नहीं कहता ये सब लोग कहते हैं। टीवी पे कुछ और लोग आकर कहते हैं, ये एक फैक्ट है। इसी बीच शो के होस्ट ने हैरान होते हुए शहजाद से पूछा, बहुत बड़ा बयान दे रहे हो आप... आप हिमायत कर रहे हो इस

बयान की?

शो के दौरान जब होस्ट ने इस बात पर हैरानी जताई कि क्या वास्तव में किसी खिलाड़ी का पोटेंशियल खत्म करने के लिए उसे पैसे देकर खरीदा जाता है ताकि वह खेल न सके तो वहां मौजूद मोहम्मद आमिर और अन्य पैनलिस्ट भी इस गंभीर चर्चा से हैरान हो गए। अहमद शहजाद के इस बयान ने अब यह बहस छेड़ दी है कि क्या फ्रेंचाइजी क्रिकेट में भी खिलाड़ियों के चयन के पीछे व्यक्तिगत पसंद–नापसंद और पॉलिटिक्स खेल पर हावी हो रही है।

वर्ल्ड चैंपियन बनते ही गंभीर ने कसी कमर!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड को रौंदकर विश्व विजेता बनने के ठीक एक दिन बाद, मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टीम इंडिया के अगले बड़े मिशन का खाका खींच दिया है। गंभीर ने स्पष्ट किया है कि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में मिली इस ऐतिहासिक जीत के बाद अब भारतीय टीम का पूरा ध्यान वनडे वर्ल्ड कप 2027 पर है, जिसकी तैयारी आईपीएल 2026 के खत्म होते ही शुरू हो जाएगी।

गौतम गंभीर ने कहा कि 2027 वर्ल्ड कप के लिए योजना बनाने का सही समय आईपीएल 2026 के बाद होगा। उन्होंने बताया कि आईपीएल और वर्ल्ड कप के बीच करीब 25 से 30 वनडे मैच खेले जाने हैं। गंभीर के अनुसार, चूंकि इन दिनों वनडे फॉर्मेट बहुत कम खेला जाता है, इसलिए हम जितनी जल्दी योजना शुरू करेंगे, उतना ही हमारे लिए बेहतर होगा।

न्यूज डायरी

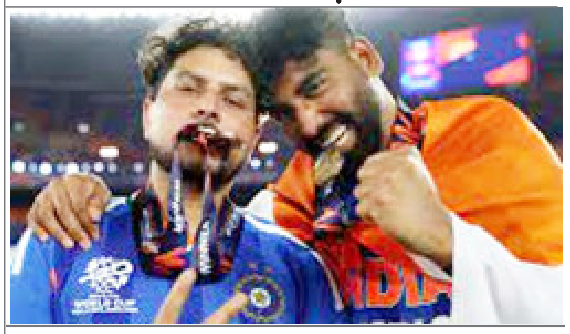

मोहम्मद सिराज ने सेलेक्टर्स के लिए मजे, कुलदीप को भी नहीं बख्शा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय टीम के खिलाड़ियों के कई मजेदार और भावुक पल सामने आ रहे हैं। इन्हीं में से एक पल तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का भी है, जिसने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरीं। दरअसल, जीत के बाद जब सिराज और कुलदीप यादव की भूमिका के बारे में सवाल पूछा गया, तो सिराज ने मजाकिया अंदाज में ऐसा जवाब दिया कि सभी हंस पड़े। भारत के खिताब जीतने के बाद बातचीत के दौरान जब एक रिपोर्टर ने पूछा कि वर्ल्ड कप जीत में उनका और कुलदीप यादव का क्या योगदान रहा, तो सिराज मुस्कुराते हुए बोले, "हम दोनों का रोल बहुत बड़ा था बाहर बैठकर खिलाड़ियों को पानी पिलाना और उनका बैट उठाना।" उनका यह जवाब सुनकर वहां मौजूद लोग भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। सिराज का ये बयान मजाक में था, लेकिन इसने सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत लिया। टी20 वर्ल्ड कप के दौरान टीम इंडिया का प्लेइंग कॉम्बिनेशन काफी मजबूत रहा। इसी वजह से कुछ खिलाड़ियों को ज्यादा मैच खेलने का मौका नहीं मिल पाया। सिराज और कुलदीप भी उन खिलाड़ियों में शामिल रहे जिन्हें सीमित अवसर मिले। हालांकि, मैदान पर ज्यादा समय न बिताने के बावजूद दोनों खिलाड़ी पूरे टूर्नामेंट में टीम के साथ रहे और ड्रेसिंग रूम में माहौल सकारात्मक बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 96 रन से मात दी और जीत के साथ रिकॉर्ड तीसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया।

साउथ अफ्रीका–वेस्टइंडीज की टीम अपने स्वदेश लौटी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका की टीमें, जो फ्लाइट की कमी के कारण अपने देश वापस नहीं जा पा रही थी, अब आखिरकार 10 मार्च को भारत से रवाना हो गई। मिडिल ईस्ट में युद्ध के कारण कई देशों का एयरस्पेस बंद हो गया था, जिसकी वजह से ये टीमें भारत में फंस गई थी। अब आईसीसी ने दोनों टीमों के लिए एक चार्टर्ड फ्लाइट का इंतजाम किया है। दरअसल, वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका की टीमें ये फ्लाइट आज यानी 10 मार्च को दोपहर 2:30 बजे भारत से जोहान्सबर्ग के लिए रवाना होगी।जोहान्सबर्ग पहुंचने के बाद वेस्टइंडीज की टीम वहां से आगे एंटीगुआ के लिए जाएगी। यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव और एयरस्पेस बंद होने के कारण कई दिनों से दोनों टीमें भारत में ही फंसी हुई थी। फिलहाल भारत में वेस्टइंडीज के कुल 12 खिलाड़ी और 10 सपोर्ट स्टाफ, जबकि साउथ अफ्रीका की टीम के 12 खिलाड़ी और 2 सपोर्ट स्टाफ मौजूद है। इससे पहले खबर आई थी कि वेस्टइंडीज के कोच कंतातमद"उउल आज रात सिंगापुर के रास्ते रवाना हो सकते हैं, जबकि टीम के तीन खिलाड़ी किसी दूसरे रूट से यात्रा करेंगे। वहीं साउथ अफ्रीका के तीन खिलाड़ी– केशव महाराज, जॉर्ज लिंडे और जैसन स्मिथ पहले ही न्यूजीलैंड के लिए निकल चुके हैं। वहां साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच 15 मार्च से शुरू होने वाली पांच ज20 मैचों की सीरीज खेली जानी है।

कुलदीप यादव ने सीएम योगी को भेजा शादी का न्योता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने 8 मार्च को न्यूजीलैंड को फाइनल मैच में हराकर रिकॉर्ड तीसरा टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। टीम इंडिया अपने घर में ये खिताब जीतने वाली पहली टीम भी बनी। विश्व चैंपियन बनने के बाद अब भारतीय टीम का एक स्टार खिलाड़ी अपने जीवन की नई पारी शुरू करने जा रहा है। 14 मार्च को मंसूरी में कुलदीप यादव वंशिका के साथ सात फेरे लेंगे। विश्व कप से पहले उन्होंने वंशिका के साथ सगाई की थी और अब दोनों ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। वहीं, 17 मार्च को लखनऊ के सेंट्रम होटल में कुलदीप और वंशिका की भव्य रिसेप्शन पार्टी होगी, जिसमें क्रिकेट साथ फिल्म जगत के कई सितारे और राज नेताओं को शामिल होता देखा जाएगा। दरअसल, चाइनामैन कुलदीप यादव की शादी और रिसेप्शन का न्यौता उनके पिता राम सिंह यादव ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लखनई स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में जाकर दिया।

पेज थ्री देहरादून

उत्तराखंड बजट सत्र के दौरान कांग्रेस का हंगामा।

देहरादून, बुधवार, 11 मार्च 2026

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

सीएम ने पूर्व विधायक स्वर्गीय बलवीर सिंह नेगी के निधन को जताया शोक

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को विधानसभा में टिहरी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक स्वर्गीय बलवीर सिंह नेगी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके निधन को उत्तराखंड की राजनीति और सार्वजनिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति बताया। बलवीर सिंह नेगी का पूरा जीवन जनसेवा, सादगी और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पित रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि टिहरी गढ़वाल जनपद के ग्राम थाती में 8 दिसंबर 1947 को जन्मे बलवीर सिंह नेगी जी साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर जनसेवा के क्षेत्र में एक विशिष्ट पहचान बनाने में सफल रहे। 1970 के दशक से ही वे टिहरी क्षेत्र की राजनीति में सक्रिय रहे और जीवन के अंतिम समय तक क्षेत्रीय विकास तथा जनहित के मुद्दों के लिए निरंतर प्रयास करते रहे।

तिब्बती राष्ट्रीय विद्रोह दिवस पर निकाला मार्च

संवाददाता देहरादून। तिब्बती समुदाय ने मंगलवार को तिब्बती राष्ट्रीय विद्रोह दिवस की 67वीं वर्षगांठ मनाई। इस अवसर पर तिब्बती समुदाय के लोगों ने परेड ग्राउंड से मार्च निकाला। जिसमें तिब्बत में मानवाधिकारों की स्थिति और सांस्कृतिक पहचान पर बढ़ते दबाव को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित किया गया। तिब्बत में संचालित कथित "औपनिवेशिक बोर्डिंग स्कूलों" के कारण तिब्बती बच्चों को उनकी मातृभाषा, संस्कृति और धर्म से दूर किया जा रहा है। साथ ही धार्मिक स्वतंत्रता का मुद्दा भी उठाते हुए पंचेन लामा की सुरक्षित रिहाई की मांग दोहराई गई और तिब्बती बौद्ध धर्म में पुनर्जन्म की प्रक्रिया में राजनीतिक हस्तक्षेप रोकने की अपील की गई।

बिजली संशोधन बिल के विरोध में ऊर्जा कर्मियों का कार्य बहिष्कार

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड विद्युत अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर मंगलवार को उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड मुख्यालय सहित प्रदेशभर में बिजली कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार कर गेट मीटिंग की। सभा की अध्यक्षता इंजीनियर कार्तिकेय दुबे और संचालन विनोद कवि ने किया।

अग्निवीरों के भविष्य की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी: मुख्यमंत्री

संवाद

■मुख्यमंत्री ने भराड़ीसैंण में अग्निवीर कैडेट्स से किया संवाद

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को भराड़ीसैंण में अग्निवीर सैनिकों के रूप में भर्ती होने वाले कैडेट्स के साथ संवाद किया। संवाद के दौरान कैडेट्स ने मुख्यमंत्री से विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका मुख्यमंत्री ने सहजता से उत्तर दिया।

संवाद के दौरान शंकर सिंह राणा ने मुख्यमंत्री से पूछा कि सैनिक पुत्र होने के कारण आपने सैनिकों के जीवन और गतिविधियों को नजदीक से देखा है, क्या आपका मन सेना में जाने का नहीं हुआ? इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना में जाना अन्य सेवाओं की अपेक्षा अत्यंत सम्माननीय माना जाता है। उन्होंने कहा कि वे अपने जीवन को भी एक सैनिक के जीवन की तरह अनुशासित और समर्पित मानकर कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि अपने पिताजी के साथ रहते हुए उन्होंने सेना के अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा को करीब से देखा है। जिस प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ हमारे सैनिक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं, उसी भावना से वे प्रदेश के मुख्य सेवक के रूप में उत्तराखण्ड की देवतुल्य जनता की सेवा करने का प्रयास करते हैं। हिमांशु रौतेला ने प्रश्न किया कि प्रदेश के मुखिया होने के नाते आप अपने परिवार को कैसे समय दे पाते हैं? इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कोई व्यक्ति राजनीतिक और सामाजिक जीवन में सक्रिय होता है तो उसकी जिम्मेदारियां बहुत बढ़ जाती हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्य सेवक के रूप में प्रदेश के सभी लोग उनका परिवार हैं और सभी गांव उनके अपने गांव हैं।

ओपी कण्डारी ने पूछा कि जब हम अग्निवीर के रूप में अपनी सेवा पूरी कर वापस आएंगे, उसके बाद सरकार हमारे रोजगार के लिए क्या व्यवस्था कर रही है? मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्दीधारी पदों पर अग्निवीरों के लिए 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था की है। इसके अतिरिक्त केन्द्र सरकार द्वारा भी अनेक क्षेत्रों में अग्निवीरों को अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर अग्निवीर के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।

रितेश पंवार ने मुख्यमंत्री से पूछा कि आपकी पहचान "धाकड़ धामी" के रूप में क्यों बनी? मुख्यमंत्री ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि का व्यवहार जनता के साथ सदैव सौम्य होना चाहिए। हालांकि राज्यहित और जनहित में कई बार कठोर और साहसिक निर्णय लेने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना है। प्रदेश में सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है तथा दंगा रोधी कानून भी लागू किया गया है। पिछले चार वर्षों में राज्य सरकार ने जन अपेक्षाओं और प्रदेशहित में अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें कार्य करने की ऊर्जा और प्रेरणा प्रदेश की जनता के आशीर्वाद से मिलती है। उन्होंने कहा कि सरकार जन अपेक्षाओं के अनुरूप प्रदेश के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है और आज अनेक क्षेत्रों में उत्तराखण्ड देश में अग्रणी स्थान पर है। सरकार जनभावनाओं के अनुरूप राज्य के विकास को नई गति देने के लिए पूरे संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

अग्निवीरों और पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे सैनिक सीमांत और उच्च हिमालयी क्षेत्रों में कठिन परिस्थितियों में देश की सेवा करते हैं। देवभूमि उत्तराखण्ड की विशेषता है कि यहां लगभग हर परिवार से कोई न कोई सदस्य सेना या अर्द्धसैन्य बलों में सेवाएं दे रहा है।

सैनिकों के हित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सैनिकों और पूर्व सैनिकों के हित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। देहरादून में भव्य सैन्यधाम का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें राज्य के वीर बलिदानियों की गौरवगाथाएं और स्मृतियां संजोई जाएंगी। उन्होंने कहा कि वे पूर्व सैनिकों को अपने अभिभावक के रूप में देखते हैं।

वनाग्नि रोकने के गंभीर प्रयासों से बढ़ी उम्मीदें

राहत

■राज्य सरकार ने एक वर्ष में पांच करोड़ रूपये से ज्यादा का पिरूल खरीदा

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश में वनाग्नि को रोकने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर जिन गंभीर प्रयासों को शुरू किया गया है, उनसे सार्थक परिणामों की उम्मीदें बढ़ रही हैं। सरकार ने वन विभाग के माध्यम से एक वर्ष के भीतर ग्रामीणों से पांच करोड़ 42 लाख रूपये का पिरूल खरीदा है। चीड़ के जंगलों में आग लगने के मूल कारण को खत्म करने के लिए ग्रामीणों से वर्ष 2025 में 5532 टन पिरूल खरीदा गया है। इस लक्ष्य को अब बढ़ाकर 8555 टन कर दिया गया है।

सरकार की ये ही मंशा है कि पिरुल एकत्रित कर आग की आशंका को न्यूनतम स्तर पर पहुंचा दिया जाए। वनाग्नि को रोकने के लिए धामी सरकार के प्रयासों में जनजागरूकता पर भी फोकस किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर 1239 जागरूकता कैंप लगाए गए हैं। सबसे अहम काम सरकार ने यह किया है कि ग्राम प्रधानों की अध्यक्षता में फॉरेस्ट फायर मैनेजमेंट कमेटी गठित की है, जो विभाग के साथ मिलकर जंगल बचाने में जुट रही हैं। इसके लिए संबंधित ग्राम पंचायत को 30 हजार रूपये प्रोत्साहन राशि भी दी जा रही है। मंगलवार को बजट सत्र के दूसरे दिन प्रश्नकाल में वन मंत्री सुबोध उनियाल ने यह जानकारी साझा कीं।

वनाग्नि के दौरान फायर वाचर्स महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी सुरक्षा के लिए धामी सरकार ने पहली बार बीमे का सुरक्षा कवच उपलब्ध कराया है। फायर वाचर्स का दस लाख का सामूहिक बीमा किया गया है। 5600 फायर वाचर्स ने पिछले वर्ष वनाग्नि रोकने में अपना योगदान दिया था।

वन्य जीवों से नुकसान पर मुआवजे का दायरा बढ़ा

देहरादून। वन्य जीवों से होने वाले कई तरह के नुकसान पर अभी तक मुआवजे की व्यवस्था नहीं थी, लेकिन धामी सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लेकर लोगों को राहत प्रदान की है। राहत देने के लिए सरकार के प्रयास अभी थमे नहीं हैं। अब धामी सरकार भालुओं से किसानों की फसलों को होने वाले नुकसान को भी मुआवजे के दायरे में लाने की कोशिश में जुटी है। भालुओं से मकान–भवनों को होने वाले नुकसान पर धामी सरकार पहले ही मुआवजे की व्यवस्था कर चुकी है। धामी सरकार ने अपने चार साल के कार्यकाल में वन्य जीवों से लोगों के नुकसान पर मुआवजे को लेकर गंभीरता दिखाई है। वन्य जीवों के हमले से मौत पर मिलने वाले मुआवजे को छह लाख करना बेहद अहम फैसला रहा है। पहले ऐसे मामलों में चार लाख मुआवजा दिया जा रहा था।

धामी सरकार के चार साल में बने 819 पंचायत भवन

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दूसरे कार्यकाल के बीते चार साल में प्रदेश में 819 पंचायत भवनों का निर्माण पुननिर्माण किया गया है। प्रदेश में पंचायत भवनों की संख्या 5867 है। इसमें से 1134 पंचायत भवन लंबे समय से जीर्णशीर्ण चल रहे थे। इसी क्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पंचायतीराज विभाग को अभियान चलाकर जीर्ण– शीर्ण भवनों का पुनर्निमाण करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद गत चार वर्ष में विभाग ने 819 पंचायत भवनों का निर्माण–पुननिर्माण कर लिया है। शेष भवनों पर भी कार्य किया जा रहा है। मंगलवार को विभागीय मंत्री सतपाल महाराज ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह जानकारी सदन के सामने रखी। प्रदेश में लोकनिर्माण विभाग नवंबर के प्रथम सप्ताह तक सात हजार से अधिक किमी सडकों को गड्ढा मुक्त कर चुका है। पर्यटन मंत्री ने मंगलवार को विधानसभा में बताया कि विभाग ने कद्दूखाल से सुरकंडा देवी मंदिर के लिए पीपीपी मोड़ में रोपवे का संचालन शुरु कर दिया है।

रायल एनफील्ड मेटियोर 350 ने बिक्री में 6 लाख का मुकाम हासिल किया

संवाददाता देहरादून। रॉयल एनफील्ड मेटियोर 350 भारत की सबसे पसंदीदा क्रूजर बाइक बन गई है। नवंबर 2020 में लॉन्च होने के बाद से इस बाइक की 6 लाख से ज्यादा बिक्री हो चुकी है क्योंकि इसने दुनिया भर के राइडर्स का भरोसा जीता है। इसके बेहतर इंजन और आसान राइड के कारण रॉयल एनफील्ड मेटियोर 350 जल्दी ही अनुभवी बाइक चालकों और नए राइडर्स दोनों की पहली पसंद बन गई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून
ही मान्य होगा।

Page Three